RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

# बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः343, गुरुवार, 29 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

जीविका निधि बैंक पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 03

समृद्धि यात्रा में सबसे बड़ा आकर्षण बना सैंड आर्ट, मुख्यमंत्री ने कलाकार मधुरेंद्र को कहा 'थैंक्यू' 04

इश्कां दे लेखे मेरे लिए एक सपना है, जिसे मैंने हर दिन जिया है: ईशा... 07

## 15 वर्षों में दोगुना हो जाएगा प्लास्टिक से स्वास्थ्य पर पड़ने वाला दुष्प्रभाव

- गंभीर परिणाम भुगतने को रहें तैयार, सबसे अधिक नुकसान प्लास्टिक उत्पादन और खुले में जलाने से

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्लास्टिक के उपयोग को नियंत्रित करने के लिए यदि तत्काल आवश्यक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। द लांसेट की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, विश्व की प्लास्टिक प्रणाली से होने वाले उत्सर्जन, जिनमें ग्रीनहाउस गैसें, वायु प्रदूषक कण और उत्पादन से निकलने वाले विषैले रसायन शामिल हैं, के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव 2016 के स्तर की तुलना में 2040 तक दोगुने से भी अधिक हो सकते हैं। लंदन स्कूल की मेगन डीनी ने कहा कि हमने पाया कि प्लास्टिक के जीवन चक्र के दौरान होने वाले

उत्सर्जन से वैश्विक तापवृद्धि, वायु प्रदूषण, विषाक्तता से संबंधित कैंसर और गैर-संक्रामक रोगों के कारण मानव स्वास्थ्य पर बोझ बढ़ता है। इसमें सबसे अधिक नुकसान प्राथमिक प्लास्टिक उत्पादन और खुले में जलाने से होता है। **आठ करोड़ से ज्यादा स्वस्थ्य जीवन वर्षों का नुकसान-** अध्ययनकर्ताओं के अनुसार अगर प्लास्टिक प्रणाली बिना किसी नीति, अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे या उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव जारी है।

## एसिड अटैक की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

- राज्य सरकारों से मांग लिया पीड़िताओं का ब्यौरा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश में एसिड अटैक की घटनाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी करते हुए इस तरह की घटनाओं का वर्ष वार ब्योरा मांगा है। तेजाब हमले की घटनाओं पर न्यायालय ने राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों से उन मामलों की संख्या बताने को कहा जिनमें आरोपपत्र दायर किए जा चुके हैं। इसके अलावा यह जानकारी भी मांगी है कि कितने मामलों में फैसला हो चुका है और

कितने लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों से कहा है कि इसका पूरा विवरण दिया जाए कि एसिड अटैक से जुडडी कितनी अपील दायर की गई हैं। पीड़ियों के ब्यौरे में शैक्षणिक योग्यता, वैवाहिक स्थिति, उपचार, पुनर्वास और मुआवजे की भी पूरी जानकारी मांगी गई है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ऐसे मामलों की भी लिस्ट दी जाए जिसमें किसी पीड़िता को जबरन एसिड पिला दिया गया हो। एक बार सारे आंकड़े सामने आ जाएंगे तो आगे कदम उठाने में आसानी होगी और पीड़ितों को न्याय मिलेगा।

# महाराष्ट्र डिप्टी सीएम अजित पवार का प्लेन क्रैश में निधन

- विमान में सवार सभी 5 लोग मारे गए, बारामती में हुआ हादसा
- लैंडिंग की दूसरी कोशिश में फिसला, जलकर हो गया खाक

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन हो गया है। बुधवार सुबह 8.45 बजे बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान उनका चार्टर्ड प्लेन क्रैश हो गया। वे 66 साल के थे। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू मेंबर समेत 5 लोगों की जान गई। पवार महाराष्ट्र पंचायत चुनाव के लिए जनसभा को संबोधित करने बारामती जा रहे थे।

वे मुंबई से सुबह 8.10 बजे रवाना हुए थे। महाराष्ट्र एविएशन डिपार्टमेंट के मुताबिक पायलट ने सुबह 8.45 बजे बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग की कोशिश की थी, लेकिन रनवे साफ दिखाई नहीं दिया तो वह विमान को दोबारा ऊंचाई पर ले गया। पहली कोशिश नाकाम रहने के बाद बारामती के रनवे-11 पर दोबारा लैंडिंग की कोशिश की गई। इस दौरान विमान रनवे से फिसलकर क्रैश हो गया। और उसमें आग लग गई। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक लैंडिंग के दौरान पायलट ने कोई इमरजेंसी सिग्नल नहीं दिया था। उसने मेडे

कॉल भी नहीं किया था। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस भी बारामती पहुंच गए हैं। उन्होंने स्कूलों की छुट्टी और 3 दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है।

पवार का अंतिम संस्कार बारामती में कल किए जाने की संभावना है। अजित के चाचा शरद पवार बारामती हॉस्पिटल पहुंच गए हैं, जहां सभी शव लाए गए हैं।

इधर, एयरक्राफ्ट इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो, यानी एएबी ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसी की एक टीम दिल्ली में विमान की ऑपरेटर कंपनी वायएसआर वेंचर्स के ऑफिस पहुंची है। दूसरी टीम बारामती रवाना हो गई है। इस बीच वायएसआर वेंचर्स ने कहा है कि पायलट को 16 हजार घंटे का फ्लाइंग एक्सपीरियंस था। विमान की को-पायलट के पास 1500 घंटे का एक्सपीरियंस था।

- पीएम मोदी और अमित शाह अंतिम संस्कार में होंगे शामिल - रिपोर्ट्स के मुताबिक अजित पवार का अंतिम संस्कार कल बारामती में किए जाने की संभावना है। उनके अंतिम संस्कार में पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह शामिल होंगे। वे कल बारामती पहुंचेंगे। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बुधवार को राज्य में स्कूल-कॉलेज समेत सभी संस्थानों में छुट्टी घोषित की है। साथ ही 3 दिन के राजकीय शोक की भी घोषणा की गई है। पवार के अंतिम संस्कार का फैसला उनके परिवार से सलाह लेने के बाद किया जाएगा। फडणवीस ने कहा- मैंने सुप्रिया ताई (सुप्रिया सुले) और पार्थ पवार से बात की है। एक बार जब हम बारामती पहुंच जाएंगे, तो हम परिवार के सदस्यों से बात करेंगे, और फिर हम उनके अंतिम संस्कार के बारे में कुछ फैसला करेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग के प्रोटोकॉल अनुभाग ने कहा कि पवार का निधन 28 जनवरी की सुबह हुआ है।

# भारत और रूस की जोड़ी दुनिया को दिखाएगी ताकत

- बंगाल की खाड़ी में संयुक्त युद्धाभ्यास, तैयारी हुई पूरी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और रूस की जोड़ी जल्द ही समंदर से पूरी दुनिया को ताकत दिखाने जा रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस और भारत आगामी फरवरी में हिंद महासागर में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास करेंगे। इस ज्वॉइंट नेवल एक्सरसाइज का आयोजन बंगाल की खाड़ी में किया जाएगा। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी ने बुधवार को रूसी मैरीटाइम कॉलेज की प्रेस सेवा के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूसी नौसेना के प्रशांत बेड़े का एक फ्रिगेट मिलान-2026 अभ्यास में भाग लेने के लिए ओमान के मस्कट बंदरगाह से रवाना होगा। इसके बाद यह जहाज 18 से 25 फरवरी तक भारतीय बंदरगाह विशाखा पत्तनम का अनौपचारिक दौरा करेगा। बता दें कि भारत और रूस हर साल अभ्यास इंद्र के नाम से एक संयुक्त नौसैनिक अभ्यास करते हैं। इससे पहले मॉस्को में भारत के राजदूत विनय कुमार ने बीते सोमवार को कहा है कि भारत और रूस 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य हासिल करने के लिए आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहे हैं और व्यापार के दायरे को बढ़ाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। राजदूत कुमार ने भारत के 77वें गणतंत्र दिवस पर 'पीटीआई' से बातचीत में कहा, पिछला वर्ष विशेष रूप से सक्रिय रहा। पुतिन की यात्रा अत्यंत सफल रही।

## देशभर में थम नहीं रहा यूजीसी के नए नियमों का विरोध

- यूपी में सवर्ण युवकों ने मुंडन कराया, बिहार में फांसी मांगी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के नए नियमों को लेकर विरोध जारी है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने नए नियमों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की मांग स्वीकार की। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने वकीलों की दलीलों पर ध्यान दिया। सीजेआई ने कहा- हमें पता है कि क्या हो रहा है। सुनिश्चित करें कि खामियों को दूर किया जाए। हम इसे लिस्ट करेंगे। इधर, यूपी-बिहार में आज भी जमकर हंगामा हुआ। स्टूडेंट्स और सवर्ण जातियों के लोग सड़कों पर उतरे। यूपी के पीलीभीत में सवर्ण समाज के युवकों ने मुंडन कराया। बिहार में पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के पोस्टर पर कालिख पोती गई। यूजी ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था।

# संसद में राष्ट्रपति का अभिभाषण

**45 मिनट दी स्पीच**

- वीबी-जी राम जी कानून का जिक्र करते ही विपक्ष का हंगामा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 18वीं लोकसभा के बजट सत्र का पहला हिस्सा बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा की जॉइंट मीटिंग में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ शुरू हो गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार देश में आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय के

लिए प्रतिबद्ध है। सरकार भ्रष्टाचार और घोटालों से निपटने में सफल रही है। राष्ट्रपति ने 45 मिनट की स्पीच में वीबी- जी राम जी कानून का भी जिक्र किया। इस पर विपक्ष ने हंगामा किया और कानून वापस लो के नारे लगाए। उधर, एनडीए सांसदों ने समर्थन में नारेबाजी की। पीएम मोदी और अमित शाह भी मेज थपथपाते नजर आए। बजट सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा। यह दो हिस्सों में होगा। पहला हिस्सा 28 जनवरी से 13 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा।

- भारत दुनिया में सेतु की भूमिका निभा रहा- ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय सेना का शौर्य पूरी दुनिया ने देखा है। भारतीय सेना ने आतंकी अड्डों को ध्वस्त किया। मिशन सुदर्शन चक्र पर काम चल रहा है। देश ने पिछले दिनों श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस, बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, सरदार पटेल की 150वीं और भारत रत्न भूपेन हजारिका की जयंती समारोह मनाया जब देश अपने पूर्वजों के योगदान को याद करता है, तो नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है, जो विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा को और तेज करती है। विश्व आज कठिन कालखंड से गुजर रहा है। लंबे समय से चले आ रहे समीकरण भी बदल रहे हैं।

**इंदौर जल कांड की न्यायिक जांच के आदेश**

# एमपी एचसी ने बनाया आयोग, तय की डेडलाइन

**इंदौर (एजेंसी)।** मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने इंदौर की पेयजल त्रासदी की न्यायिक जांच के आदेश जारी किए हैं। साथ ही अदालत ने एक सदस्यीय न्यायिक आयोग गठित किया है। इंदौर बेंच ने मंगलवार को हुई सुनवाई में कहा कि मामले की तत्काल न्यायिक जांच की जरूरत है। हम आयोग बना रहे हैं। इसके साथ ही अदालत ने अंतरिम रिपोर्ट जमा करने के लिए डेडलाइन भी तय कर दी। अदालत ने आयोग को कार्यवाही शुरू होने की तारीख से 4 हफ्ते बाद एक अंतरिम रिपोर्ट जमा करने का आदेश दिया। जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और आलोक अवस्थी की डिवीजन बेंच ने दिन भर सभी पक्षों को सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया और देर रात इसे जारी किया। राज्य सरकार ने बेंच के सामने भागीरथपुरा में मौजूदा गैस्ट्रोएंटेराइटिस महामारी से हुई 23 मौतों की एक ऑडिट रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि इनमें से 16 मौतें दूषित पीने के पानी से होने वाली उल्टी और दस्त की बीमारी से जुड़ी हो सकती हैं। सरकार की ओर सौंपी इंदौर के सरकारी महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज के पांच विशेषज्ञों की एक समिति द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि भागीरथपुरा में चार लोगों की मौत का इस बीमारी से कोई संबंध नहीं था। इलाके में तीन अन्य की मौत किस वजह से हुई। इस बारे में किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सका है। सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार से उसकी रिपोर्ट

के पीछे का वैज्ञानिक आधार जानना चाहा।

**'वर्बल ऑटोप्सी' शब्द के इस्तेमाल पर कसा तंज-** अदालत ने रिपोर्ट के संबंध में राज्य सरकार की ओर से वर्बल ऑटोप्सी शब्द के इस्तेमाल पर भी हैरानी जताई। अदालत ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि उसने यह शब्द पहली बार सुना है। स्थिति खतरनाक है।

- स्वतंत्र जांच की बताई जरूरत, बनाया आयोग- यह आरोप लगाया गया है कि पाइप में लीकेज, सीवेज का मिलना और पानी के मानकों को बनाए रखने में विफलता के कारण प्रकोप हुआ। तस्वीरें, मेडिकल रिपोर्ट और अधिकारियों को दी शिकायतें पहली नजर में ऐसे मामले की ओर इशारा करती हैं जिसके लिए तत्काल न्यायिक जांच की जरूरत है। आरोप की गंभीरता और स्वतंत्र जांच की जरूरत को देखते हुए अदालत का मानना है कि मामले की छानबीन एक स्वतंत्र, भरोसेमंद अथॉरिटी से कराई जानी चाहिए। अदालत ने आगे कहा कि अत- हम मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस सुशील कुमार गुप्ता को इंदौर के भागीरथपुरा में पानी में गंदगी से जुड़े मामले और शहर के अन्य इलाकों पर इसके असर की जांच के लिए एक सदस्यीय जांच आयोग नियुक्त करते हैं। आयोग गंदगी के कारण की जांच करेगा और उस पर एक रिपोर्ट सौंपेगा।

- कब्जामुक्त कराएं जमीन, भू-माफिया पर सख्त हो ऐक्शन

# सीएम योगी का जनता दर्शन में निर्देश, अन्याय नहीं होने देंगे

**गोरखपुर (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के गोरखपुर प्रवास के तीसरे दिन बुधवार की सुबह सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने 150 फरियादियों की शिकायतों को सुना। इस दौरान अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी व्यक्ति की जमीन पर यदि किसी दबंग या भूमाफिया ने कब्जा किया है तो तत्काल जमीन को कब्जामुक्त कराया जाए। दूसरे की जमीन कब्जा करने वाले दबंगों, कमजोरों को उजाड़ने वालों और भूमाफिया को कतई न बख्शा जाए। उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए और सबक सिखाया जाए। सीएम ने दोहराया कि सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने। सरकार हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। सीएम योगी ने मंगलवार

को भी जनता दर्शन में 200 लोगों की शिकायतें सुनी थीं। सीएम योगी बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में कुर्सियों पर बैठे लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किया कि समस्याओं का त्वरित एवं संतुष्टिपरक निस्तारण कराया जाए।

- जमीन कब्जा मामले में सख्त रुख- सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश देने के साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन में दबंगों की ओर से जमीन कब्जा किए जाने की एक शिकायत पर मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन एवं पुलिस के अफसरों को कड़े निर्देश दिए। जमीन कब्जा की शिकायत पर त्वरित एक्शन लिया जाए। जमीन कब्जामुक्त होनी चाहिए। सीएम योगी ने यह भी कहा कि सुनिश्चित कराएं कि कोई भी दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं ने ससुराल पक्ष से विवाद तथा परिवार से जुड़ी शिकायतें भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। सीएम योगी ने इन शिकायतों पर अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि दोनों पक्षों के साथ संवाद कर समस्या का समाधान कराया जाए। ऐसा न होने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। राजस्व एवं पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश दिया। सीएम ने कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे।

# जयपुर में एयर इंडिया की एक फ्लाइट रनवे टच कर फिर उड़ी

## 10 मिनट बाद सफल लैंडिंग, प्लेन में थे कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा

**जयपुर (एजेंसी)।** दिल्ली से जयपुर पहुंची एयर इंडिया की फ्लाइट एआई - 1719 की लैंडिंग फेल होने से दहशत फैल गई। बुधवार दोपहर को विमान रनवे को टच करते ही वापस उड़ गया। जानकारी के अनुसार फ्लाइट में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी थे। रंधावा पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम व गुरदासपुर से कांग्रेस सांसद हैं। हालांकि, करीब 10 मिनट बाद दूसरे प्रयास में विमान की सुरक्षित लैंडिंग करा ली गई। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहले भी लैंडिंग फेल होने की घटनाएं सामने आई हैं। दरअसल, फ्लाइट एआई - 1719 ने दोपहर करीब 1 बजकर 5 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग का प्रयास किया था। इस दौरान पायलट ने रनवे को छूते ही विमान को दोबारा हवा में उठा लिया। अस्थिर अप्रोच के कारण पायलट ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 'गो-अराउंड' का फैसला लिया। पहले प्रयास के बाद विमान ने एयरपोर्ट के ऊपर कुछ देर तक गोल चक्कर लगाया। करीब 10 मिनट बाद पायलट ने सफल लैंडिंग की। इस फ्लाइट में 135 पैसेंजर्स थे। सूत्रों के मुताबिक, इस फ्लाइट में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी सवार थे। घटना के दौरान विमान में मौजूद यात्रियों में कुछ समय के लिए चिंता जरूर रही। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि उड़ानों के संचालन में इस तरह की स्थिति पूरी तरह सुरक्षा मानकों के तहत आती है। ऐसे में पायलट को किसी भी स्तर पर लैंडिंग सुरक्षित नहीं लगती।

संक्षिप्त समाचार

## नौ शराब कारोबारी व दो वारंटी गिरफ्तार

**पताही।** पताही पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नौ कथित शराब कारोबारियों समेत दो वारंटियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों से पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में अजीत राम (पिता– सागर राम, ग्राम पताही), नंदलाल राम (पिता– रामदयाल राम, ग्राम जरदहां), विनोद साह (पिता– लक्ष्मी साह, ग्राम पदुमकेर), उपेंद्र राय (पिता– राजकिशोर राय, ग्राम रामपुर मनोरथ), रमेद राय (पिता– माधो राय, ग्राम पदुमकेर), कुंदन कुमार (पिता– प्रेम दास, ग्राम नन्हकार), राधेश्याम मंडल (पिता– वंशलाल मंडल, ग्राम नन्हकार), रूबी देवी (पति– मदन महतो, ग्राम रामपुर मनोरथ) तथा मुन्ना राउत (पिता– बैजू राउत, ग्राम पताही) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त पुलिस ने दो वारंटी जवींद्र पंडित (पिता– राम अयोध्या पंडित) एवं रामज्योति पंडित उर्फ राम अयोध्या पंडित, दोनों निवासी ग्राम गम्हरिया, को भी गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष बबन कुमार ने बताया कि सभी गिरफ्तार व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर पूर्ण रोक लगाने के लिए आगे भी अभियान जारी रहेगा।

## तुरकौलिया व रघुनाथपुर पुलिस की छापेमारी, पांच आरोपी गिरफ्तार

**तुरकौलिया।** रघुनाथपुर और तुरकौलिया थाना पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर शराब तस्करी, शराब सेवन, कोर्ट वारंट तथा हत्या के प्रयास के मामलों में संलिप्त पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। रघुनाथपुर पुलिस ने सपही गांव से शराब तस्करी के आरोप में सोभावती देवी को गिरफ्तार किया, जिसके पास से चार लीटर देशी शराब बरामद की गई। वहीं बालगंगा निवासी साहिल उर्फ बिट्टू कुमार को कोर्ट वारंटी होने के कारण गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा सपही गांव से रेयाज आलम को शराब पीकर हंगामा करने के आरोप में पकड़ा गया, जिसकी पुष्टि ब्रेथ एनालाइजर जांच में हुई है। इधर, तुरकौलिया पुलिस ने शराब तस्करी मामले में फरार चल रहे नीलेश सहनी और पीतांबर सहनी को गोखुला घाट के पास से गिरफ्तार किया। वहीं मंगनुआ गांव निवासी ध्रुप राय को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिस पर मारपीट एवं हत्या के प्रयास का मामला दर्ज था और वह पिछले वर्ष से फरार चल रहा था। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि सभी गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

### कारोबारी को कफन भेजा, कहा-तुम्हारा मर्डर करेंगे, लेटर में लिखा- राजपूत हूं, प्रण लिया है तो पूरा करूंगा

**हाजीपुर।** वैशाली में एक कारोबारी को जान से मारने के धमकी मिली है। ये धमकी एक लेटर में दी गई है। लेटर के साथ कफन भी भेजा गया है। धमकी देने वाले ने लिखा है- 'रतन तुम जितना भी छिप कर रह लो, हम तुमको जान से मार देंगे। आज हो, कल हो, महीना हो, साल हो, 2 साल हो, किसी कीमत पर नहीं छोड़ेंगे, जान से मार देंगे।' लेटर के अंत में लिखा है- 'रघुकुल रीत सदा चली आए, प्राण जाए पर वचन न जाए। तुम्हें एक छोटा गिफ्ट भेजा है, जो तुम्हें मरने के बाद काम आएगा।' जिस कारोबारी को धमकी मिली है उसका नाम रतन चौधरी है। उनकी महुआ थाना क्षेत्र स्थित महुआ पुरानी बाजार में दुकान है। ये लेटर और कफन उनके छोटे भाई के घर फेंका गया है। धमकी मिलने के बाद पूरा परिवार दहशत में है। धमकी भरा पत्र और कफन मिलने के बाद परिजनों ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। परिवार का कहना है कि डायल 112 की टीम ने यह कहकर कार्रवाई से इनकार कर दिया कि जब पत्र फेंकने वाला अज्ञात है, तो वे क्या कर सकते हैं। पुलिस ने परिजनों को थाने में आवेदन देने की सलाह दी। इसके बाद पीड़ित परिवार ने स्थानीय महुआ थाने से संपर्क किया। थाना अध्यक्ष ने भी अज्ञात व्यक्ति द्वारा पत्र फेंके जाने की बात कहते हुए कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। उन्होंने परिजनों को DSP से मिलने या अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कराने की सलाह दी। पीड़ित परिवार ने बताया कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले 1 जनवरी को भी उनके घर पर इसी तरह का धमकी भरा पत्र फेंका गया था। उस समय पुलिस ने उन्हें CCTV कैमरे लगवाने की सलाह दी थी।

## मुजफ्फरपुर सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, परिसर खाली कराया गया

### बम निरोधक और डॉग स्क्वायड की टीम कर रही जांच

**मुजफ्फरपुर।** मुजफ्फरपुर सिविल कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सुरक्षा को देखते हुए तत्काल प्रभाव से पूरे कोर्ट परिसर को खाली करा लिया गया है। जानकारी के अनुसार, कोर्ट प्रशासन को एक धमकी भरा ई-मेल मिला। इसमें मुजफ्फरपुर सिविल कोर्ट परिसर में सिलसिलेवार बम धमाके की बात कही गई थी। इस धमकी के बाद जिला जज ने सुरक्षा कारणों को देखते हुए तत्काल कोर्ट परिसर खाली करने का निर्देश जारी किया। जिला जज के आदेश पर पुलिस बल ने मोर्चा संभाला और सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। कोर्ट में चल रही सभी न्यायिक प्रक्रियाओं को फिलहाल रोक दिया गया है। सुरक्षा की गंभीरता को देखते हुए बम निरोधक दस्ते (BDDS) और डॉग स्क्वायड को मौके पर बुलाया गया है। पुलिस की टीम परिसर के चप्पे-चप्पे की सघन तलाशी ले रही है।

कोर्ट के प्रवेश द्वारों को सील कर दिया गया है और बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। एसएसपी समेत जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्वयं सुरक्षा व्यवस्था और जांच अभियान की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ई-मेल के स्रोत की जांच की जा रही है और साइबर सेल की टीम धमकी भेजने वाले का पता लगाने में जुटी है। फिलहाल, पूरे परिसर को एक किले में तब्दील कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। जांच पूरी होने और सुरक्षा के बाद ही कोर्ट में कामकाज सामान्य रूप से शुरू हो सकेगा।

## बेउर मोड़-दीदारगंज एलिवेटेड-एटग्रेड रोड बनाने पर केंद्र-राज्य के बीच ठनी

**पटना।** बेउर मोड़-दीदारगंज (न्यू बाइपास) 17 किमी लंबे एलिवेटेड/एट ग्रेड रोड बनाने पर केंद्र-राज्य सरकार के बीच ठन गई है। केंद्र सरकार की एजेंसी एनएचएआई ने जीएसटी, रायल्टी और यूटिलिटी शिफ्टिंग खर्च उठाने से इनकार कर दिया है। यह राशि राज्य के पथ निर्माण विभाग को देने को कहा है। केंद्र ने इस पर राज्य सरकार से सहमति मांगी है। केंद्र ने कहा है कि इन मामलों पर फैसला नहीं होने के कारण ही इस अहम प्रोजेक्ट के टेंडर में देरी हो रही है। राज्य सरकार शीघ्र फैसला कर केंद्र को अवगत कराए। उधर, पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, इसे मानने पर निर्माण राशि के 9% स्टेट जीएसटी, निर्माण में लगने वाले मिनरल बालू, गिट्टी आदि की रायल्टी और यूटिलिटी शिफ्टिंग (बिजली पोल, पानी सप्लाई लाइन, निकायों की संपत्तियां आदि के भुगतान में लगने वाली करीब 308 करोड़ की राशि) पर करीब 500 करोड़ खर्च होंगे। अभी इस दूरी तय करने में गाड़ियों को 1 से 1.5 घंटा का समय लगता है। कारण, न्यू बाइपास की दोनों तरफ सैकड़ों नई कॉलोनियां बस गई हैं, जिनमें लाखों की आबादी रह रही है। उन कॉलोनियों की सड़कों से न्यू बाइपास पर दिनभर गाड़ियां चढ़ती रहती हैं। पटना एम्स से बेउर मोड़ आने में भी जाम मिलता है। ट्रकों और अन्य बड़े मालवाहक वाहनों को अनीसाबाद से दीदारगंज की तरफ जाने में भारी परेशानी होती है।

खासकर अनीसाबाद मोड़, 90 फीट मोड़, भूतनाथ रोड मोड़, पहाड़ी मोड़ समेत कई मोड़ पर दिनभर जाम लगा रहता है। एलिवेटेड रोड बनने पर मालवाहक वाहनों का डीजल और समय बचेगा। साथ ही न्यू बाइपास की दोनों तरफ बसी कॉलोनियों के लोगों को सड़क पर करने में सुविधा होगी।

# पटनाः यूजीसी के खिलाफ प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

- पीएम के पोस्टर जलाए-कालिख पोती कहा- परशुराम की तरह गरजेंगे, फरसा लेकर उतरेंगे

UGC बिल 2026 को लेकर देशभर में प्रदर्शन हो रहा है। पटना में इसके खिलाफ ऑल बिहार स्टूडेंट यूनियन और सवर्ण समाज एकता मंच के बैनर तले प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शन करने वालों ने PM मोदी और अमित शाह के पोस्टर लगाए गए। कालिख भी पोती गई। उनका कहना है कि ये काला कानून है। इसे तत्काल वापस लें। प्रदर्शन कर रहे उज्जवल कुमार ने कहा, 'यूजीसी का विरोध हम लोग इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि ये कानून कहीं से बच्चों के हित में नहीं है। सरकार एक तरफ कह रही है कि हम लोग समानता का काम कर रहे हैं और दूसरे तरफ आप जातीय उन्मूलन में बच्चों को फैला रहे हैं। अगर समानता करते तो बच्चों के लिए ये कानून क्यों लाते।

दिनकर से एक बार जाति पूछी गई थी तो उन्होंने गरजते हुए स्वर में कहा था कि सिमरिया घाट का जलता हुआ अंगार हूं मैं, जाति से भूमिहार हूं मैं, पूजा भले हम स्वर्ण लोग राम की करते हैं, बाकी परशुराम की तरह गरजते है। जब जरूरत पड़ेगा तो फरसा लेकर रोड़ पर उतरेंगे। चक्काजाम करेंगे। इस यूजीसी कानून का हम लोग विरोध करते हैं। मोदी सरकार को समझना होगा की ये जो स्वर्ण है, लोगों को सत्ता पर बैठाने का काम भी करता है और उतारने का भी काम करता है।' इस मामले पर सियासी बयानबाजी भी तेज हो गई है। राजद और तेजप्रताप यादव ने खुलकर UGC बिल का समर्थन किया है। वहीं, भाजपा और उसके सहयोगी दलों की चुप्पी पर विपक्ष ने सवाल खड़े किए हैं।

**राजद का समर्थन, आरक्षित वर्गों के लिए 'सुरक्षा कवच' बताया:** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने यूजीसी कानून 2026 का खुलकर समर्थन किया है। पार्टी प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा कि, यह कानून आरक्षित वर्गों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव को लेकर पहले भी शिकायतें सामने आती रही हैं, जिस पर बनी समिति ने अपनी रिपोर्ट दी थी। उसी रिपोर्ट के आधार पर यह कानून लाया गया है।

**बिहार सरकार ने दिए पुनर्विचार के संकेत:** बिहार सरकार के मंत्री संजय कुमार सिंह ने यूजीसी के नए प्रावधानों को लेकर हो रहे विरोध पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है। मंत्री ने याद दिलाया कि इससे पहले भी कई नियम विरोध और सुझावों के बाद बदले गए हैं।

**यूजीसी बिल को तेज प्रताप यादव का खुला समर्थन:** राजद नेता तेज प्रताप यादव ने यूजीसी के नए नियमों को ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार लाए गए "Promotion of Equity in Higher Education Institutions Regulations, 2026" कानून का मकसद विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में जातिगत भेदभाव को रोकना है।'

**कांग्रेस ने उठाए एकतरफा चर्चा पर सवाल:** कांग्रेस ने UGC बिल को लेकर हो रही चर्चाओं को एकतरफा बताया है। पार्टी का कहना है कि यह समझने की जरूरत है कि इस कानून का दुरुपयोग आखिर क्यों और कैसे किया जाएगा। कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या इस तरह की अफवाहें फैलाकर देश में अराजकता का माहौल नहीं बनाया जा रहा।

## पटना सिविल कोर्ट में पिस्टल लेकर घुस रहा युवक पकड़ाया

एजेंसी, पटना

- दूसरा फरार
- घटना के बाद सिविल कोर्ट में सनसनी फैल गई, लोगों में दहशत
- परिसर की सुरक्षा बढ़ाई, वकील बोले- यह सुरक्षा में बड़ी चूक

पटना सिविल कोर्ट की सुरक्षा में बदमाशों ने सेंधमारी की है। बुधवार सुबह हथियार के साथ दो बदमाश सिविल कोर्ट आए थे, लेकिन गेट पर चेकिंग के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने एक को पिस्टल के साथ दबोच लिया है। इस घटना के बाद सिविल कोर्ट में सनसनी फैल गई है। अधिवक्ताओं में दहशत का माहौल बन गया है। मौके पर टाउन डीएसपी 1 पहुंचे हैं, जो पकड़े गए बदमाश से पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस की टीम फिलहाल दूसरे बदमाश की तलाश में जुटी रही है। वहीं, परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कैंपस के अंदर दूसरे बदमाश की तलाश जारी है।

**सुबह 11 बजे पिस्टल के साथ दो अपराधी पकड़ाए:** पटना सिविल कोर्ट परिसर के गेट पर तैनात ASI प्रमोद कुमार रजक ने बताया कि, 'आज 11 बजे दो युवकों को पकड़ा गया है। हम लोगों की चेंकिंग कर रहे थे। इसी दौरान संदेह होने पर युवक की चेकिंग किया और फिर उसे पकड़ लिया। वरीय अधिकारी द्वारा पूछताछ किया जा रहा है।'

पटना के टाउन DSP 1 राजेश रंजन ने कहा कि, 'पकड़े गए आरोपी का नाम पीयूष है, जो हाजीपुर का रहने वाला है। फिलहाल इससे पूछताछ जारी है। एक आरोपी अभी फरार है, जिसकी खोजबीन में सेल, STF और स्थानीय थाने की पुलिस जुटी है। दोनों किस उद्देश्य के साथ पटना आए थे, टारगेट क्या था, इसके बारे में पता लगाया जा रहा है।'

**यह सुरक्षा की चूक है- अधिवक्ता:** पटना सिविल कोर्ट के वकील ऋषिकेश नारायण सिंहा ने बताया कि, यह सुरक्षा की चूक हमेशा पटना सिविल कोर्ट में हो रही है। आज सुबह 11 बजे पिस्टल लिए हुए दो अपराधी पकड़े गए हैं। इसके लिए यहां परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मियों को मैं धन्यवाद करता हूं। ये नहीं होते तो किसका हत्या होता आज, भगवान जाने। जंगलराज है यहां तो, सब कुछ चलता है।

## जिला प्रशासन ने नोटिस दिया, अतिक्रमण हटेगा

एजेंसी, पटना

- बांसघाट के सामने पांच एकड़ जमीन पर 86 लोगों का कब्जा

बांसघाट के सामने 5 एकड़ सरकारी जमीन पर 81 लोगों का कब्जा है। डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम के निर्देश पर सदर अंचल कार्यालय ने इनलोगों को नोटिस जारी किया है। 5 फरवरी को सदर अंचलाधिकारी रजनीकांत द्वारा सुनवाई की जाएगी। नोटिस पाने वाले लोगों को जमीन से जुड़े दस्तावेज लाने को कहा गया है। साक्ष्य और दस्तावेजों की जांच कर सीओ द्वारा आदेश पारित किया जाएगा। इसके बाद अतिक्रमण हटाया जाएगा।

जिला प्रशासन के मुताबिक, बुद्धा कॉलोनी मोड़ से काली मंदिर तक की जमीन गैरमजरुआ आम है। इस जमीन पर सरकार का अधिकार है। इस पर लोगों ने वर्षों से कब्जा कर रखा है। कुछ पक्का मकान और कच्चा निर्माण हैं। इस पांच एकड़ जमीन के उत्तर में अशोक राजपथ, दक्षिण में मंदिरी और बुद्धा कॉलोनी का हिस्सा, पूरब में काली मंदिर और पश्चिम में बुद्ध कॉलोनी रोड है।

**यहां वेंडिंग जोन बनेगा:** इस पांच एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाकर बड़े वेंडिंग जोन का निर्माण होगा। साथ ही अन्य सरकारी बिल्डिंग, पार्क आदि के निर्माण की योजना है। जिला प्रशासन के मुताबिक, शहर के अंदर इतने बड़े भूखंड का लाभ सार्वजनिक रूप से नहीं मिल रहा है। अतिक्रमण हटने के बाद इसकी उपयोगिता के आधार पर सरकार द्वारा निर्णय लिया जाएगा।

## एक सप्ताह में 'प्रेस क्लब मोतिहारी' को सौंपा जाएगा पत्रकार भवन

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले में पत्रकारों के हित में एक अहम और ऐतिहासिक फैसला लेते हुए जिलाधिकारी श्री सौरभ जोरवाल ने "प्रेस क्लब मोतिहारी" की बहुप्रतीक्षित मांग को सहर्ष स्वीकार कर लिया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया है कि पत्रकार भवन को तत्काल प्रभाव से खाली कराकर एक सप्ताह के भीतर "प्रेस क्लब मोतिहारी" को सौंप दिया जाए। साथ ही भवन में संचालित किसी भी सरकारी कार्यालय को निर्धारित समय-सीमा में अन्यत्र स्थानांतरित करने की प्रक्रिया पूरी करने का आदेश भी दिया गया है। मंगलवार 28 जनवरी को प्रेस क्लब मोतिहारी का एक शिष्टमंडल जिलाधिकारी से मिला और उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पत्रकार भवन को विधिवत प्रेस क्लब को हस्तगत कराने की मांग प्रमुख रूप से रखी गई। जिलाधिकारी ने पत्रकारों की भूमिका को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए उनकी मांग को पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ स्वीकार किया। उनके इस त्वरित और सकारात्मक निर्णय पर प्रेस क्लब के सदस्यों ने आभार व्यक्त करते हुए साधुवाद दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रेस क्लब के अध्यक्ष को आईपीआरडी (सूचना एवं जनसंपर्क विभाग) के ग्रुप का एडमिन भी नियुक्त किया। इसका उद्देश्य यह बताया गया कि वास्तविक और सक्रिय पत्रकारों को ही ग्रुप से जोड़ा जा सके, जिससे सूचनाओं का आदान-प्रदान अधिक पारदर्शी और प्रभावी हो। बैठक में यह भी सहमति बनी कि वरिष्ठ पत्रकारों की एक समिति गठित की जाएगी, जो सक्रिय पत्रकारों की पहचान करेगी और आपसी समन्वय को मजबूत बनाएगी। इसके अलावा प्रत्येक माह एक कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें नए पत्रकारों को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ समसामयिक विषयों और 'एथिक्स ऑफ जर्नलिज्म' पर चर्चा की जाएगी। इस शिष्टमंडल में संजय कौशिक, राकेश कुमार, राजन दत्त द्विवेदी, नरेंद्र झा, ज्ञानेश्वर गौतम, कैलाश गुप्ता, सचिन पांडे, अविनाश कुमार सहित कई वरिष्ठ एवं युवा पत्रकार उपस्थित रहे। यह फैसला मोतिहारी की पत्रकारिता को नई दिशा और सशक्त आधार देने वाला माना जा रहा है।

## बगहा, बक्सर में तेज बारिश, 5 जिलों में अलर्ट, पटना समेत 10 शहरों में छाए बादल

एजेंसी, पटना

पहाड़ों में हो रही बर्फबारी की वजह से बिहार में भी फिर से ठंड बढ़ सकती है। पूर्वी चंपारण, सहित 5 जिलों में आज बारिश हो सकती है। बगहा में तेज बारिश हुई है। बक्सर में बूंदाबांदी हुई। वहीं सुपौल, समस्तीपुर में बादल छाए हुए हैं। जबकि औरंगाबाद, बेतिया, सुपौल समेत 10 जिलों में सुबह कोहरा छाया रहा।

मौसम विज्ञान केंद्र ने 29 जनवरी से बिहार के कई जिलों में कोहरे का अलर्ट जारी किया है। संभावित जिलों में पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, वैशाली, पटना और बेगूसराय शामिल हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, कोहरे की यह स्थिति 29 जनवरी से अगले 2 से 3 दिनों तक बनी रह सकती है। हालांकि दिन चढ़ने के साथ कोहरा धीरे-धीरे छंटने और धूप निकलने की संभावना है।

**पटना में सुबह के समय छाया रहेगा हल्का कोहरा:** राजधानी पटना में सुबह के समय हल्का कोहरा छाने और ठंड का असर महसूस किया जा सकता है। दिन में धूप निकलने से तापमान सामान्य रहेगा। बीते 24 घंटे में पटना का अधिकतम तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। देर शाम और सुबह ठंड अधिक रही, जबकि दिन में धूप निकलने के बावजूद हवा में ठंडक बनी रही।

**बिहार का मौसम अचानक क्यों बदला?:** मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, बिहार में इस समय मौसम में उतार-चढ़ाव का मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ है। उत्तर-पश्चिम भारत से सक्रिय यह मौसमी सिस्टम अपने साथ नमी लेकर आ रहा है, जिसका असर खासकर बिहार के उत्तरी जिलों में देखने को मिल रहा है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बादलों की आवाजाही बढ़ गई है, जिससे कुछ जिलों में बारिश की स्थिति बन रही है। वहीं, रात के तापमान में गिरावट और हवा में बढ़ी नमी के कारण सुबह और शाम ठंड का असर ज्यादा महसूस किया जा रहा है।

## 5-8 फरवरी तक वसंतोत्सव कला कार्यशाला 11 से 29 साल के युवा ले सकेंगे हिस्सा

एजेंसी, पटना

सिखाई जाएगी टिकुली और सिक्की कला

पटना में जिला कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से वसंतोत्सव कला कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें युवाओं को टिकुली कला और सिक्की कला सिखाई जाएगी। यह कार्यशाला 5 फरवरी से 8 फरवरी 2026 तक बिहार ललित कला अकादमी, पटना में होगी। इसका आयोजन कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार और जिला प्रशासन पटना मिलकर कर रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य बिहार की पारंपरिक लोक कलाओं-विशेष रूप से टिकुली कला और सिक्की कला को संरक्षित और प्रोत्साहित करना है।

**11 से 29 साल के युवा ले सकते हैं हिस्सा:** इस कार्यशाला में 11 साल से 29 साल तक के लड़के-लड़कियां भाग ले सकते हैं। इसमें स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राएं भी शामिल हो सकते हैं। आवेदन करने के लिए जारी किए गए QR कोड को स्कैन करना होगा। फॉर्म भरने के बाद उसे जिला कला एवं संस्कृति कार्यालय, पटना में जमा करना होगा। चाहें तो आवेदन ईमेल आईडी daco.ptna@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

**3 फरवरी तक करना होगा आवेदन:** आवेदन करने की आखिरी तारीख 3 फरवरी 2026 दोपहर 3 बजे तक रखी गई है। इसके बाद कोई फॉर्म नहीं लिया जाएगा। आप अपना भरा हुआ फॉर्म जिला कला एवं संस्कृति कार्यालय, तृतीय तल, जिला विकास भवन, समाहरणालय, पटना (गांधी मैदान के पास) जमा कर सकते है।

**पारंपरिक कला को मिलेगा बढ़ावा:** इस कार्यशाला में एक्सपर्ट कलाकारों से सीधे टिकुली और सिक्की कला सीखने का मौका मिलेगा। इससे न सिर्फ आपकी कला निखरेगी, बल्कि आगे चलकर इससे रोजगार या स्वरोजगार का रास्ता भी खुल सकता है। जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी ने बताया कि इस तरह की कार्यशालाओं का मकसद युवाओं को अपनी पारंपरिक कला से जोड़ना और उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाना है।

## बदलते मौसम से अस्पतालों में मरीजों की बढ़ी भीड़, पटना में वायरल बुखार

एजेंसी, पटना

- सर्दी-खांसी के मामले बढ़े, विशेषज्ञ बोले- ठंड को लेकर लापरवाही से बचें

मौसम में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण सरकारी अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ बढ़ गई है। दिन में धूप और सुबह-शाम ठंड के चलते OPD में मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। इनमें सबसे ज्यादा बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं प्रभावित हो रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि दिन में हल्की गर्मी और सुबह-शाम के समय कनकनी महसूस की जा रही है। ऐसे में कई लोग ठंड को लेकर लापरवाह हो रहे हैं, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

**वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम के बढ़े मरीज:** सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी क्लीनिकों तक में वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम, खांसी, एलर्जी, सांस के मरीज, बदन दर्द, जोड़ों के दर्द और हृदय रोग से पीड़ित अस्पताल पहुंच रहे हैं। मौसम का यह परिवर्तन श्वास, ब्लड प्रेशर और हृदय रोगियों के लिए अधिक घातक साबित हो रहा है। पिछले एक सप्ताह से वायरल बुखार का प्रकोप तेजी से फैला है। यह बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सभी को अपनी चपेट में ले रहा है। बुखार उतरने के बाद भी अधिकांश मरीजों को कमजोरी, खांसी और गले में तेज दर्द की शिकायत है।

**बदलते मौसम को लेकर क्या कहते हैं डॉक्टर?:** गार्डिनर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. मनोज कुमार सिन्हा ने बताया कि, 'मौसम में लगातार उतार चढ़ाव देखा जा रहा है, जिससे मरीजों की संख्या में काफी बढ़ी है। बदलते मौसम में लोग काफी लापरवाही बरतने लगते हैं। लोग ठंडा और पंखा का इस्तेमाल करने लगते हैं। इसी टेंपरेचर वेरिएशन के कारण सर्दी खांसी और वायरल फीवर जैसी समस्याएं हो रही है। मौसम के उतार-चढ़ाव के समय लोगों को बेहद सावधानी बरतनी चाहिए।'

IGIMS के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि, 'बदलते मौसम में ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर नियमित नहीं होने से ब्लड फ्लेक्चुएट होता है। इससे ब्रेन हेमरेज की समस्या काफी अधिक हो जाती है।'

IGIMS के कार्डियोलॉजी विभाग HOD डॉ. विष्णु देव प्रसाद ने बताया कि, 'इस मौसम में हृदयरोगियों को बेहद ही सावधानी बरतनी चाहिए। इस मौसम में ऐसे लोग खान-पान को लेकर सावधान रहें। पर्याप्त मात्रा में पानी पियें और फास्ट फूड से बचें। उन्हें इस मौसम में बेहद ही सतर्क रहना चाहिए।'

**एलर्जी और खान-पान पर ध्यान देना जरूरी- फिजिशियन:** IGIMS के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. भीम राम ने बताया कि, 'मौसम के उतार चढ़ाव के दौरान घर से बाहर निकलने से पहले बच्चे, बूढ़े और महिलाएं एलर्जी से बचने के लिए मुंह पर मास्क लगाकर निकलें। नियमित रूप से पानी का सेवन करें और खान-पान में विटामिन C युक्त संबंधित फलों का जरूर सेवन करें। अक्सर व्यायाम करने से पहले अपने शरीर अथवा रूम के टेंपरेचर को मेंटेन रखे।

**शिशुओं का रखे बेहद ख्याल:** पटना AIIMS के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विनीत ने बताया कि, 'वायरल फीवर उन लोगों को अधिक प्रभावित करता है जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है। ऐसे में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन कर प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखना चाहिए।'

## संक्षिप्त समाचार

### मुंशी सिंह महाविद्यालय में कदाचार-मुक्त परीक्षा संपन्न

**बीएनएम @ मोतिहारी।** बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुज़फ्फरपुर के तत्वावधान में स्नातक (सी.बी.सी.एस) प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2025–29 की परीक्षा 15 जनवरी 2026 से संचालित है। विश्वविद्यालय द्वारा एल.एन.डी. कॉलेज, मोतिहारी एवं एम. एस.एस. जी. कॉलेज, अरेराज के परीक्षार्थियों हेतु मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इधर परीक्षा के 9वें दिन, दिनांक 28 जनवरी 2026, बुधवार को मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी परीक्षा केंद्र पर कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एस.ई.सी) के अंतर्गत 'क्रिएटिव राइटिंग' विषय की परीक्षा आयोजित की गई। प्रथम पाली में आयोजित परीक्षा में कुल 1221 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि दूसरी पाली में आयोजित परीक्षा में 1983 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा कदाचार-मुक्त, अनुशासित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा की शुचिता एवं सुचारु संचालन सुनिश्चित करने हेतु सभी आवश्यक प्रबंध किए गए थे। यह जानकारी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. मशहूर अहमद के हवाले से मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी।

### हत्या कांड में दो अभियुक्तों को आजीवन कारावास

**बीएनएम @ मोतिहारी।** मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत सशक्त साक्ष्य एवं समर्पित चार्जशीट के आधार पर हत्या कांड के एक पुराने मामले में माननीय न्यायालय ने दोनों अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। ब्रजेश कुमार, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पूर्वी चंपारण, मोतिहारी ने चकिया थाना कांड संख्या–23/98, धारा 302/34 भा.दं.वि. (सेशन ट्रायल संख्या–448/2001) में प्राथमिकी नामजद अभियुक्त राज मोहन भगत एवं जगदीश भगत, दोनों पिता स्व. साधु भगत, निवासी परतापुर, थाना मेहसी, जिला पूर्वी चंपारण को बुधवार को दोषसिद्ध पाया। न्यायालय ने दोनों अभियुक्तों को आजीवन कारावास एवं बीस हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की राशि अदा नहीं करने की स्थिति में छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। मामले में अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजन पदाधिकारी दीपक पटेल ने न्यायालय में प्रभावी रूप से पक्ष रखा।

### 03-सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केन्द्रों के प्रस्ताव पर राजनैतिक दलों के साथ बैठक संपन्न

**बीएनएम @मोतिहारी :** बुधवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में 03-सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत प्रस्तावित मतदान केन्द्रों पर विचार-विमर्श हेतु जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष व सचिव के साथ बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में जिलाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि जिले में कुल 27 मतदान केन्द्र संबंधित प्रखंड मुख्यालयों में ही स्थापित किए गए हैं, जिनमें कुल 1751 निर्वाचक सम्मिलित हैं। उक्त बैठक में भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय जनता दल (मोतिहारी), राष्ट्रीय जनता दल (मधुबन), बहुजन समाज पार्टी, कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी), कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (एम. एल.) तथा आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष/सचिव उपस्थित रहे। सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा मतदान केन्द्रों के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की गई तथा इसे भारत निर्वाचन आयोग को अनुमोदन हेतु प्रेषित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।

# जीविका निधि बैंक पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

**बीएनएम @ मोतिहारी**

जीविका सामुदायिक संगठनों से जुड़ी महिलाओं को सरल एवं सुलभ ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गठित बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड की ऋण नीति पर आधारित प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन मोतिहारी में बुधवार को किया गया। उक्त कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जीविका राज्य कार्यालय के राज्य परियोजना प्रबंधक (सामुदायिक वित्त) संजय कुमार मिश्रा, जीविका निधि बैंक के पदाधिकारी आशुतोष कुमार तथा पूर्वी चंपारण जिले के जीविका जिला परियोजना प्रबंधक गणेश पासवान द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस कार्यशाला में जिले में कार्यरत सभी जीविका परियोजना कर्मियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को ऋण प्रशासन, पात्रता मानदंड तथा डिजिटल प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के दौरान जिले के प्रबंधक (सामुदायिक वित्त) रवि रंजन कुमार सिंह द्वारा जीविका निधि पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में महिलाओं को जीविकोपार्जन हेतु तीन प्रकार के ऋण उपलब्ध कराए जाएंगे—

- **अल्पकालिक ऋणः 15,000 तक**
- **सूक्ष्म ऋणः 15,000 से अधिक एवं 75,000 तक**
- **लघु ऋणः 75,000 से अधिक एवं 2,00,000 तक**

उन्होंने जानकारी दी कि जीविका

निधि से दिए जाने वाले सभी ऋणों पर वर्तमान में 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर लागू है। ऋण की अधिकतम अवधि क्रमशः अल्पकालिक ऋण हेतु 12 माह, सूक्ष्म ऋण हेतु 24 माह तथा लघु ऋण हेतु 36 माह निर्धारित है। ऋण के लिए आवेदन, वितरण तथा वापसी की पूरी प्रक्रिया जीविका निधि मोबाइल ऐप के माध्यम से की जाएगी। जीविकोपार्जन ऋण 18 से 65 वर्ष आयु वर्ग की उन स्वयं सहायता समूह सदस्यों को उपलब्ध कराया जाएगा, जिनका आधार एवं खाता लोक ओएस में प्रविष्ट एवं सत्यापित है। एनपीए खाते वाले समूह सदस्य तथा सरकारी कर्मचारी ऋण के लिए अपात्र होंगे। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परियोजना प्रबंधक गणेश पासवान ने जीविका निधि के महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जीविका निधि के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को अपनी जीविकोपार्जन गतिविधियों को बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। यह महिलाओं की अपनी संस्था है, जहां उन्हें सरल प्रक्रिया के माध्यम से अधिक वित्तीय सहायता प्राप्त होगी, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी। कार्यशाला के दौरान राज्य कार्यालय एवं जीविका निधि बैंक के पदाधिकारियों द्वारा जीविका निधि बैंक के संचालन, नियमों तथा जीविका निधि मोबाइल ऐप के उपयोग पर विस्तृत जानकारी एवं चर्चा की गई। इस अवसर पर जिले के सभी प्रखंडों के प्रखंड परियोजना प्रबंधक, क्षेत्रीय समन्वयक, सामुदायिक समन्वयक, युवा पेशेवर, जीविकोपार्जन विशेषज्ञ, लेखापाल, कार्यालय सहायक सहित जिला स्तर के सभी प्रबंधकों ने कार्यशाला में भाग लिया। प्रबंधक (सामुदायिक वित्त) रवि रंजन कुमार सिंह के अतिरिक्त संसाधन व्यक्ति के रूप में क्षेत्रीय समन्वयक गौरव कुमार ने भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

# आइओसीएल परिसर में लेवल 2 मॉक ड्रिल का किया गया आयोजन

**बीएनएम @ मोतिहारी**

अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी निशांत सिहर एवं प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी हेमंत कुमार की उपस्थिति में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आइओसीएल) मोतिहारी एलपीजी बॉटलिंग प्लांट, पीओएल टर्मिनल ने प्रमुख आपात स्थितियों से निपटने में प्लांट कर्मियों द्वारा की गई तैयारी का मूल्यांकन करने और उन्हें बढ़ाने के लिए लेबल 2 मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस मॉक ड्रिल की सफलता को देखते हुए अनुमंडल पदाधिकारी ने इसकी प्रशंसा की और उन्होंने कहा कि इस मॉक ड्रिल ने आइओसीएल मोतिहारी बॉटलिंग प्लांट की मजबूत तैयारी और प्लांट कर्मियों तथा जिला

प्रशासन के बीच प्रभावी समन्वय को प्रदर्शित किया है। इस तरह की ड्रिल वास्तविक जीवन की आपात स्थितियों के लिए हमारी व्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी। वहीं अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि अभ्यास के दौरान प्रदर्शित त्वरित प्रतिक्रिया और टीम वर्क सुरक्षा और आपातकालीन तैयारी के लिए प्लांट की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। वहीं मॉक ड्रिल से सभी हितधारकों के लिए सीखने का एक बड़ा अनुभव प्रदान किया, जिससे सक्रिय सुरक्षा उपाय और समन्वित आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रयासों के महत्व को बल मिला। संयंत्र प्रबंधन ने सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया और उच्चतम सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

# रक्सौल में बिजली विभाग का मेगा एक्शनः 227 पर एफआईआर, 2300 से अधिक कनेक्शन कटे

**बीएनएम @ रक्सौल**

अवैध बिजली उपयोग और लंबित राजस्व वसूली को लेकर विद्युत विभाग ने रक्सौल डिवीजन में अब तक का सबसे बड़ा सघन अभियान चलाया है। कार्यपालक अभियंता अजय कुमार के नेतृत्व में पिछले दो महीनों के दौरान बिजली चोरी में संलिप्त 227 उपभोक्ताओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, वहीं 2372 बड़े बकायेदारों के विद्युत कनेक्शन काट दिए गए हैं। विभागीय कार्रवाई से बिजली चोरों और डिफॉल्टरों में अफरातफरी का माहौल है। दर्ज एफआईआर में रक्सौल से 52, रामगढ़वा से 37, बनकटवा से 35, घोड़ासहन से 31, छौड़ादानो से 25 तथा आदापुर से 12 उपभोक्ता शामिल हैं। राजस्व वसूली को लेकर विभाग ने 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाई है। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि रक्सौल सब-डिवीजन में 1470 और घोड़ासहन

सब-डिवीजन में 902 बकायेदारों की बिजली आपूर्ति काटी जा चुकी है। विभागीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए माइक्रो लेवल पर निगरानी की जा रही है और किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब विभाग 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है, तो उपभोक्ताओं की भी जिम्मेदारी है कि वे समय पर बिजली बिल का भुगतान करें। बिजली चोरी पकड़े जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच उपभोक्ताओं को साइबर ठगों से सतर्क रहने की भी अपील की गई है। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि कुछ साइबर अपराधी मीटर अपडेट या बिल सुधार के नाम पर फोन कर ओटीपी या लिंक मांग रहे हैं। विभाग की ओर से ऐसी कोई कॉल नहीं की जाती। उपभोक्ता किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें और ठगी से बचें।

# चंपारण के शोधार्थी ने UGC के नए नियमों के खिलाफ आवाज उठाई

**बीएनएम @चंपारण**

दिल्ली विश्वविद्यालय से पीएच.डी. कर रहे चंपारण निवासी शोधार्थी आशुतोष कुमार ने हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा लागू किए गए नए नियमों के खिलाफ मीडिया के सामने अपनी आपत्ति जताई। आशुतोष कुमार ने कहा कि UGC के ये नए प्रावधान शोधार्थियों और उच्च शिक्षा के भविष्य के लिए चिंताजनक हैं। उनका आरोप है कि इन नियमों से न केवल शोध की स्वतंत्रता प्रभावित होगी, बल्कि देश के हज़ारों प्रतिभाशाली छात्रों के अकादमिक भविष्य पर भी संकट आ सकता है। उन्होंने बताया कि नियमों में किए गए बदलाव बिना पर्याप्त विमर्श और वास्तविक परिस्थितियों को समझे लागू किए गए हैं। खासकर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को इससे सबसे अधिक नुकसान होगा। आशुतोष कुमार ने केंद्र सरकार और UGC से मांग की कि नए नियमों की तत्काल समीक्षा की जाए और छात्रों, शोधार्थियों तथा शिक्षाविदों से संवाद कर आवश्यक संशोधन किया जाए, ताकि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और समान अवसर की भावना बनी रहे। उन्होंने चेतावनी भी दी कि यदि समय रहते नियमों

पर पुनर्विचार नहीं किया गया, तो देशभर के शोधार्थी लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस बयान के बाद शैक्षणिक जगत में बहस शुरू हो गई है और छात्र संगठनों ने भी आशुतोष कुमार के रुख का समर्थन किया है।

# केसरिया के फिल्मकर्मी की मुंबई में संदिग्ध परिस्थिति में मौत, वीडियोग्राफी का कार्य करता था मृत युवक रंजीत

## कई बड़े फिल्मी हस्तियों के साथ काम कर चुका था रंजीत, उभरते कलाकार के सपनों पर लगा विराम

**बीएनएम @ डुमरियाघाट**

पूर्वी चम्पारण जिले के केसरिया प्रखंड अंतर्गत खिजिरपुरा गांव निवासी रंजीत कुमार गुप्ता की मुंबई में संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। रंजीत कुमार गुप्ता मुंबई के फिल्मी जगत में बतौर डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी का कार्य कर रहे थे और अपने हुनर के दम पर लगातार आगे बढ़ रहे थे। उनकी असामयिक और रहस्यमय मौत ने न सिर्फ उनके परिवार, बल्कि गांव और प्रखंड सहित जिले के लोगों को भी गहरे सदमे में डाल दिया है। परिजनों के अनुसार, बीते पांच जनवरी को रंजीत की तबीयत अचानक खराब होने की सूचना मिली। मुंबई में उनके साथ रह रहे युवक सोनू शर्मा, जो उत्तर प्रदेश का निवासी बताया जा

रहा है, उसने फोन पर परिजनों को जानकारी दी कि रंजीत को ब्रेन हेमरेज हुआ है और उन्हें मुंबई के सुराना हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। यह खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। आनन-फानन में घर से दो परिजन मुंबई के लिए रवाना हुए। मुंबई पहुंचने के बाद परिजनों को बताया गया कि रंजीत की हालत गंभीर है। अस्पताल में लगातार 18 दिनों तक इलाज चला। इस दौरान डॉक्टरों द्वारा उनके ब्रेन की सर्जरी भी की गई, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी हालत में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका। अंततः इलाज के अठारहवें दिन शुक्रवार को रंजीत कुमार गुप्ता ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने रंजीत की मौत को संदेहास्पद बताया है। उनका कहना है कि जिस तरह से अचानक तबीयत बिगड़ने, अस्पताल में भर्ती कराने और इलाज से जुड़ी जानकारी दी गई, उसमें कई सवाल खड़े होते हैं। परिजन पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं, ताकि सच्चाई सामने आ सके। इधर, रंजीत की मौत की खबर जैसे ही खिजिरपुरा गांव पहुंची, पूरे गांव में मातम पसर गया। घर पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों का कहना है कि रंजीत पढ़ाई में मेधावी और व्यवहार में मिलनसार थे। उन्होंने छोटे से गांव से निकलकर मुंबई जैसे बड़े शहर में फिल्मी दुनिया में अपनी पहचान बनाई थी, जिससे गांव और जिले का नाम रोशन हुआ था। उसने हिंदी फिल्मी जगत के कई सितारों का वीडियो ग्राफी कर चुका है। रंजीत की असामयिक मौत ने एक उभरते हुए कलाकार के सपनों पर विराम लगा दिया है। अब सभी की निगाहें इस पर टिकी है कि इस मामले सच्चाई कब और कैसे सामने आती है।

### फेनहारा थाना क्षेत्र में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत डेटा ऑपरेटर गिरफ्तार

**बीएनएम @ मोतिहारी**

मोतिहारी पुलिस द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाए जा रहे निरंतर अभियान के तहत फेनहारा थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई है। पासपोर्ट वेरिफिकेशन के नाम पर रिश्वत मांगने के आरोप में थाना पर प्रतिनियुक्त एक डेटा ऑपरेटर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार दिनांक 28 जनवरी 2026 को एक वीडियो प्राप्त हुआ, जिसमें फेनहारा थाना में कार्यरत कार्यपालक सहायक (डेटा ऑपरेटर) सूरज कुमार, पिता बबन पासवान, निवासी मकड़ी महुआवा, थाना पिपराकोठी, जिला पश्चिमी चंपारण, एक व्यक्ति से पासपोर्ट वेरिफिकेशन के नाम पर 2000 रुपये की मांग करते हुए दिखाई दे रहा था। वीडियो की सत्यता का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पकड़ीदयाल द्वारा सत्यापन कराया

गया, जिसमें आरोप सही पाए गए। आरोप की पुष्टि के बाद इस संबंध में फेनहारा थाना कांड संख्या 26/2026, दिनांक 28.01.2026 के तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में प्राथमिकी दर्ज की गई। तत्पश्चात पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी डेटा ऑपरेटर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और भ्रष्टाचार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। आगे की कानूनी कार्रवाई प्रचलित है।

### हरसिद्धि में भूमि विवाद को लेकर दो गुट आमने-सामने, फायरिंग की चर्चा से मचा हड़कंप

» पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया, लाइसेंसी हथियार बरामद, स्थिति नियंत्रण में

**बीएनएम @मोतिहारी**

हरसिद्धि बाजार के समीप बस्ती इलाके में बुधवार की शाम भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि गोलीबारी की घटना की चर्चा इलाके में फैल गई, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि देर संध्या तक फायरिंग की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। राहत की बात यह रही कि इस पूरी घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार सुरेंद्र सिंह उर्फ फौजी और लालबाबू सिंह के बीच लंबे समय से भूमि को लेकर विवाद चला आ रहा है। बुधवार को इसी विवाद को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और कहासुनी के बाद स्थिति बिगड़ गई। इसी दौरान गोली चलने की बात कही जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। अपर थानाध्यक्ष संतोषी कुमारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं। जांच के दौरान पुलिस ने मौके से एक पिलेट बरामद किया है। साथ ही एक लाइसेंसी राइफल और कुछ कारतूस भी जब्त कर थाना लाए गए हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों के तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, ताकि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आ सके। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल स्थिति सामान्य है और किसी भी तरह की अप्रिय घटना की आशंका नहीं है। खबर लिखे जाने तक घटना और हिरासत में लिए गए लोगों के संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी, क्योंकि संबंधित अधिकारियों से संपर्क स्थापित नहीं हो पाया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की बात कही जा रही है।

# भूकंप सुरक्षा पखवाड़ा के तहत टेबल टॉक परिचर्चा आयोजित

**बीएनएम @मोतिहारी**

भूकंप सुरक्षा पखवाड़ा के अवसर पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं 9वीं बटालियन एनडीआरएफ के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को नगर के राजेंद्र भवन सभागार में भूकंप सहित विभिन्न आपदाओं से बचाव एवं प्रभावी आपदा प्रबंधन को लेकर टेबल टॉक परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देशानुसार आयोजित इस परिचर्चा में आपदा प्रबंधन शाखा, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, जल संसाधन विभाग, अग्निशमन विभाग, बाढ़ प्रमंडल, एनसीसी कैडेट्स, आपदा मित्र, नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवक सहित विभिन्न विभागों

के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान जिला आपदा प्रबंधन योजना पर विस्तृत चर्चा की गई तथा एनडीआरएफ टीम द्वारा भूकंप समेत अन्य आपदाओं के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों और बचाव तकनीकों की जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा, सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, 9वीं बटालियन एनडीआरएफ के कमांडेंट सौरभ कुमार सहित एनडीआरएफ टीम के सदस्य उपस्थित रहे। इसी क्रम में गुरुवार 29 जनवरी 2026 को राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, मोतिहारी में एनडीआरएफ द्वारा भूकंप सुरक्षा से संबंधित मॉकड्रिल का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों एवं स्टाफ को आपदा के समय सुरक्षित रहने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

## संक्षिप्त समाचार

### पैक्स में सदस्यता एवं जागरूकता अभियान की बैठक संपन्न

बीएनएम@ रामगढ़वा। बुधवार को मुरला पैक्स के गोदाम परिसर में सदस्यता सह जागरूकता अभियान एवं योजना आच्छादन अभियान को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पैक्स अध्यक्ष

कौशलेस ठाकुर ने की, जबकि बीसीओ अशोक कुमार सिंह ने किसानों एवं पैक्स सदस्यों को संबोधित किया। बीसीओ ने बताया कि पैक्स में अधिक से अधिक इच्छुक किसानों से सदस्यता आवेदन प्राप्त करना है तथा सहकारिता बैंक में किसानों का खाता खुलवाने की प्रक्रिया को तेज किया जाएगा। उन्होंने किसानों को फसल सहायता योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही पैक्स के माध्यम से कॉमन सर्विस सेंटर एवं जन औषधि केंद्र खोलने की योजना की जानकारी दी गई। बैठक में प्रधानमंत्री कुसुम योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना तथा मुख्यमंत्री हरित कृषि संयंत्र योजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई, ताकि किसान इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। इस अवसर पर पैक्स गोदाम की जांच भी की गई। बैठक में बीसीओ अशोक पन्ना, एफसीआई के सुरेश कुमार, अजय झा, अनिल तिवारी, मुखिया बब्लू साह, अवधेश कुमार ठाकुर, अजय ठाकुर, राधेश्याम ठाकुर, प्रमोद पासवान, दिलीप ओझा, नेहाल अहमद, रंजीत यादव, सुजीत ठाकुर, फिदा राय, सीताराम महतो, बालचंद पासवान, मंटु ठाकुर, राजेंद्र पटेल, नगीना पासवान सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

### डुमरियाघाट पुलिस का एक्शन मोड : अलग-अलग मामलों में सात आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@डुमरियाघाट : डुमरियाघाट थाना क्षेत्र में बुधवार को स्थानीय पुलिस ने विभिन्न मामलों में कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों से

कुल सात अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस कार्रवाई में मध निषेध एवं उत्पाद अधिनियम, मारपीट तथा वारंटी मामलों के आरोपी शामिल हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में मध निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत राजकुमार सहनी, ग्राम बनपरुआ, मारपीट के मामले में उमेश राय, ग्राम पकड़ी, वारंटी अभियुक्त ओमप्रकाश साहनी, ग्राम पकड़ी, सुशील कुमार पाठक, ग्राम पकड़ी, डुमरिया तथा सरोतर निवासी वारंटी अभियुक्त रामजी साह, मोहर साह और कारी साह शामिल है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु ने बताया कि सभी अभियुक्तों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त संदेश गया है।

### पलनावा पुलिस की कार्रवाई, छह लोग गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

**बीएनएम @ रामगढ़वा**। पलनावा थाना पुलिस ने बुधवार को विभिन्न मामलों में कार्रवाई करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। यह कार्रवाई नियमित गश्ती के दौरान की गई। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि गश्ती के दौरान पांच शराबियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक अन्य अभियुक्त को भी अलग मामले में पकड़ा गया। गिरफ्तार किए गए लोगों में लछुनाव गांव निवासी रूपेश रंजन, कलिकापुर गांव के अर्जुन पटेल एवं अखलेश बैठा, पलनावा थाना क्षेत्र के नंदू पासवान, सिंगासनी गांव के मोहन रमा तथा दुबावलिया गांव निवासी धनाई राम शामिल हैं। इनमें मोहन रमा और धनाई राम रामगढ़वा थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए गए हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि यह छापेमारी अभियान दरोगा भीम सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। सभी आरोपियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

### षष्ठम वित्त आयोग योजना में मजदूरों का भुगतान लंबित, पंस सदस्यों ने की हस्तक्षेप की मांग

**बीएनएम @ तुरकौलिया**। षष्ठम वित्त आयोग योजना के तहत वर्ष 2024-25 में करीब डेढ़ दर्जन पंचायतों में कराए गए विकास कार्यों में लगे मजदूरों का भुगतान अब तक नहीं होने से गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। मजदूरी नहीं मिलने के कारण कई मजदूर भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। इस गंभीर मुद्दे को लेकर करीब एक दर्जन पंचायत समिति सदस्यों ने हस्ताक्षरयुक्त आवेदन जिलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा जिला पंचायत राज पदाधिकारी को सौंपते हुए लंबित मजदूरी का शीघ्र भुगतान कराने की मांग की है। आवेदन में पंस सदस्यों ने बताया है कि पंचायत समिति मद से दो वर्ष पूर्व विभिन्न पंचायतों में विकास कार्य कराए गए थे। उस समय तत्कालीन बीडीओ रमेंद्र कुमार एवं बीपीआरओ अताऊल हक द्वारा सामग्री मद का भुगतान समय पर कर दिया गया था, लेकिन योजनाओं में कार्यरत मजदूरों को अब तक उनकी मेहनत की मजदूरी नहीं दी गई है। मजदूर बीते दो वर्षों से पंचायत समिति सदस्यों और संबंधित कार्यालयों का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें भुगतान नहीं मिल सका है। जानकारी के अनुसार तुरकौलिया पूर्वी, चरगाहां, बेलवाराय, सपही, जयसिंहपुर पूर्वी सहित लगभग 12 पंचायतों में करीब डेढ़ दर्जन योजनाएं संचालित की गई थीं, जिनमें मजदूरों की लगभग 23 लाख रुपये की मजदूरी बकाया है। पंस सदस्यों ने आरोप लगाया है कि मजदूरों की मजदूरी की राशि का गबन किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस तरह की स्थिति बनी रही तो पंचायतों में भविष्य में विकास योजनाएं संचालित करना मुश्किल हो जाएगा। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि बीपीआरओ के साथ बैठक कर मामले की समीक्षा की जा रही है और जल्द ही लंबित भुगतान का निष्पादन कर दिया जाएगा।

# डुमरियाघाट में नकली ब्रांडेड ग्रोसरी सामान का बड़ा भंडाफोड़, किराए के मकान से हजारों नकली प्रोडक्ट बरामद

- पतंजलि, डाबर, फॉर्च्यून, विट आदि का तेल, क्रीम और शहद बरामद
- किराया का कमरा लेकर हो रहा था कारोबार
- पुलिस छापेमारी की भनक लगते ही कारोबारी फरार
- हजारों बोतल नकली तेल, क्रीम और शहद समेत खाली बोतल और रैपर बरामद

बीएनएम@डुमरियाघाट

जिले के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली ब्रांडेड ग्रोसरी सामान के अवैध कारोबार का पर्दाफाश किया है। थाना क्षेत्र के रामपुर खजुरिया गांव में स्थित विनोद सिंह के घर पर की गई छापेमारी में पुलिस ने नामी कंपनियों के भारी मात्रा में नकली उत्पाद, स्टीकर, खाली बोतलें और तेल जैसा संदिग्ध तरल पदार्थ बरामद किया है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि रामपुर खजुरिया में कुछ लोग नामी कंपनियों के उत्पादों की नकल कर बाजार में खपाने का काम कर रहे है। सूचना की पुष्टि के बाद डुमरियाघाट थाना पुलिस ने एक टीम गठित कर विनोद सिंह के घर पर छापेमारी कीया। छापेमारी के दौरान पुलिस को चौंकाने वाली मात्रा में नकली सामान मिला। पुलिस के अनुसार, मौके से विट (Veet) कंपनी का 440 पीस नकली हेयर रिमूवल क्रीम, पतंजलि कंपनी का 510 बोतल नकली मधु (शहद), डाबर कंपनी का 495 पीस नकली मधु (शहद), फॉर्च्यून कंपनी का 192 पीस नकली तेल, साथ ही 4 टीन के डब्बों में भरा तेल जैसा तरल पदार्थ बरामद किया गया है। इसके अलावा नकली उत्पाद तैयार करने और पैकिंग में इस्तेमाल होने वाले हजारों स्टीकर और खाली बोतलें भी जब्त की गई हैं। जब्त किए गए स्टीकरों में विट कंपनी के स्टीकर, पतंजलि कंपनी के 3210 पीस स्टीकर, डाबर हनी के 2260 पीस स्टीकर, फॉर्च्यून मस्टर्ड ऑयल के स्टीकर, फॉर्च्यून तेल की खाली बोतलें, तथा पतंजलि हनी की 510 खाली बोतलें शामिल हैं। पुलिस का मानना है कि यहां बड़े पैमाने पर नकली सामान तैयार कर उसे असली बताकर बाजार में सप्लाई किया जा रहा था। जिससे न सिर्फ कंपनियों को आर्थिक नुकसान हो रहा था, बल्कि आम लोगों की सेहत के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा था। डुमरियाघाट थाना पुलिस ने बताया कि पूरे मामले में विधिवत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जब्त सामान को सूचीबद्ध कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इस नकली कारोबार का नेटवर्क कहां-कहां तक फैला हुआ है और इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस की पहल की सराहना की है। लोगों का कहना है कि नकली खाद्य और दैनिक उपयोग की वस्तुएं आम जनता के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनती है। ऐसे में इस तरह की सख्त कार्रवाई जरूरी है। पुलिस ने साफ किया है कि नकली सामान बनाने और बेचने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। बताया जा रहा है कि इस रैकेट का सदस्य गांव में एक खाली कमरा किराया पर लेकर रखा था। उसमें ही यह धंधा फल फूल रहा था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से एक महिला जो मकान मालकिन है उसे पूछ ताछ के लिए हिरासत में लिया हैं हालांकि सेक्शन 41 के तहत महिला को नोटिश देकर थाना से ही उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु ने बताया कि इस गिरोह के रैकेट का सत्यापन और पर्दाफाश किया जा रहा है कंपनी के कर्मी शीतल कुमार के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर अगर स्टार कार्रवाई की जा रही है।

## रक्तदान सह जन जागरूकता शिविर संपन्न, अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने किया रक्तदान

बीएनएम @ सुगौली

प्रखंड क्षेत्र के उत्तरी सुगांव पंचायत भवन परिसर में बुधवार को लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम 2015 के तहत जन जागरूकता शिविर एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, मोतिहारी के तत्वावधान में रक्तदान सह रक्तदान जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी सह कार्यकारी अध्यक्ष, रेड क्रॉस सोसाइटी शैलेन्द्र कुमार भारती उपस्थित रहे। उनके साथ प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक कुमारी प्रियंका, प्रखंड विकास पदाधिकारी नूतन किरण, अंचलाधिकारी कुंदन कुमार, उत्तरी सुगांव पंचायत के मुखिया रंजीत झा एवं दक्षिणी सुगांव पंचायत के मुखिया प्रभाकर मिश्रा सहित कई पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सैकड़ों ग्रामीणों को लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम 2015 की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि आम नागरिक किस प्रकार इस अधिनियम के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं और सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया क्या है। रक्तदान शिविर का उद्घाटन उत्तरी एवं दक्षिणी सुगांव पंचायत के मुखियाद्वय द्वारा स्वयं रक्तदान कर किया गया। इसके बाद पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। शिविर में रक्तदान को लेकर लोगों में विशेष जागरूकता देखने को मिली।

## गंडक दियारा में पुलिस का बड़ा प्रहार : तीन अवैध शराब भट्टियां ध्वस्त, 10 हजार लीटर अर्धनिर्मित शराब विनिष्ट

- पूर्वी चंपारण और गोपालगंज पुलिस एवं एलटीएफ के संयुक्त कारवाई में मिली सफलता,
- 220 लीटर चुलाई शराब बरामद, कारवाई से कारोबारियों में हड़कंप

बीएनएम@डुमरियाघाट

अवैध देसी चुलाई शराब के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए पूर्वी चंपारण और गोपालगंज पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता हासिल की है। मंगलवार को केसरिया थाना, डुमरियाघाट थाना, बीजधरी थाना, गोपालगंज जिला बल एवं एलटीएफ मोतिहारी की संयुक्त टीम ने गोपालगंज एवं मोतिहारी जिला के गंडक दियारा क्षेत्र में व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान देसी चुलाई शराब बनाने वाली कुल तीन अवैध भट्टियों को पुलिस ने ध्वस्त कर दिया गया। पुलिस ने मौके से 220 लीटर अवैध देसी चुलाई शराब बरामद कीया है। वहीं, शराब निर्माण में उपयोग किए जा रहे लगभग 10 हजार लीटर अर्धनिर्मित शराब (पास) को मौके पर ही जलाकर विनष्ट किया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। अभियान के दौरान अवैध शराब कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया। फिलहाल इस मामले में संलिप्त कारोबारियों की पहचान की जा रही है और उनके विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त अभियान जारी रहेगा और किसी भी सूरत में शराब माफियाओं को बख्शा नहीं जाएगा। डुमरियाघाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु ने बताया कि कारोबारियों को चिन्हित कर अग्रतर कारवाई की जा रही है।

## समृद्धि यात्रा में सबसे बड़ा आकर्षण बना सैंड आर्ट, मुख्यमंत्री ने कलाकार मधुरेंद्र को कहा 'थैंक्यू'

**समृद्धि यात्रा में सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र की कलाकृति की सराहना करते सीएम ने कहा थैंक यू**

बीएनएम@ मधुबनी

जिले में मंगलवार को आयोजित बिहार समृद्धि यात्रा 2026 के दौरान भारत के प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रेत कलाकार मधुरेंद्र कुमार की कलाकृति कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बन गई। झंझारपुर के अररिया संग्राम दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में मधुरेंद्र कुमार ने विकसित बिहार के सात निश्चय-3 पर आधारित भव्य सैंड आर्ट तैयार की, जिस पर "समृद्धि यात्रा 2026" अंकित था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब सभी स्टालों का निरीक्षण करते हुए मुख्य मंच के प्रवेश द्वार पर पहुंचे, तो उनकी नजर प्रवेश द्वार के ठीक सामने बालू से बनी उनकी ही तस्वीर पर पड़ी। मुख्यमंत्री कुछ क्षणों तक रुककर कलाकृति को निहारते रहे और मुस्कुराते हुए वहां मौजूद सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार को 'थैंक्यू' कहा।मुख्यमंत्री की यह प्रतिक्रिया वहां उपस्थित लोगों के लिए खास क्षण बन गया। कार्यक्रम में मौजूद जनसमूह के बीच यह सैंड आर्ट आकर्षण का केंद्र रही। मुख्यमंत्री के प्रस्थान के बाद बड़ी संख्या में लोग बालू से बनी इस कलाकृति को देखने पहुंचे। लोगों ने कलाकार के साथ सेल्फी लेकर तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा किया, जिससे यह कलाकृति तेजी से वायरल हो गई।

**मधुरेंद्र कुमार ने अपनी इस कलाकृति के माध्यम से "समृद्ध मधुबनी, विकसित बिहार" का संदेश दिया।** मौके पर बिहार सरकार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, डीजीपी विनय कुमार, पर्यटन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद, सांसद संजय झा, मधुबनी डीएम आनंद शर्मा, एसपी योगेंद्र कुमार, जिला कला एवं सांस्कृतिक पदाधिकारी सहित अन्य वरीय अधिकारियों और गणमान्य जनप्रतिनिधियों ने कलाकार की सराहना करते हुए बधाई दी।समृद्धि यात्रा के इस आयोजन में सैंड आर्ट ने न केवल जन-जागरूकता का संदेश दिया, बल्कि कला के माध्यम से विकास की अवधारणा को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

## कुबरा पकड़िया से दो हत्या आरोपी गिरफ्तार, त्वरित कार्रवाई में पुलिस ने भेजा जेल

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना क्षेत्र के कुबरा पकड़िया गांव में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो अलग-अलग हत्या मामलों में वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रंजीत सहनी (पिता– रामनाथ सहनी) एवं किस्मती देवी उर्फ शांति देवी (पति– रामनाथ सहनी) के रूप में की गई है। दोनों आरोपियों पर पूर्व में दर्ज हत्या के मामलों में संलिप्तता का आरोप है और पुलिस को लंबे समय से उनकी तलाश थी। प्रशिक्षु सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी कुबरा पकड़िया गांव में छिपे हुए हैं। सूचना के सत्यापन के बाद त्वरित रणनीति बनाते हुए पुलिस टीम ने गांव की घेराबंदी कर सघन छापेमारी अभियान चलाया, जिसके दौरान दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई। दोनों आरोपियों को थाने लाकर पूछताछ के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि हत्या जैसे गंभीर अपराधों में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और ऐसे मामलों में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। इस छापेमारी अभियान में एसआई रंजन मंडल, एसआई शिखा कुमारी सहित कई पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे।

## चंपारण के कलाकारों को मिलेगी अब डिजिटल पहचान

- कला एवं संस्कृति विभाग ने पंजीकरण और सरकारी योजनाओं पर की विशेष बैठक

बीएनएम @ अरेराज

बिहार सरकार के कला व संस्कृति मंत्रालय की पहल पर पूर्वी चंपारण जिले के कलाकारों के पंजीकरण और कला जागरूकता को गति देने के लिए स्थानीय सोमेश्वरनाथ संगीत महाविद्यालय के परिसर में बुधवार को एक भव्य बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ कला व संस्कृति विभाग के जिला पदाधिकारी फ़हद सिद्दीकी, प्रसिद्ध तबला वादक प्रकाश पांडेय, बिनोद तिवारी, विजय अमित राजू और प्रेम कुमार ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और पुष्प अर्पित कर किया। मुख्य अतिथि श्री सिद्दीकी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकारों से व्यक्तिगत परिचय प्राप्त किया और कला के क्षेत्र में उनकी समस्याओं व सुझावों को विस्तार से सुना। बैठक के दौरान सांस्कृतिक छटा भी देखने को मिली, जहाँ प्रख्यात कत्थक नर्तक कृष्णा कुमार और शास्त्रीय गायक विनय शंकर गौतम ने पदाधिकारी के सम्मान में राग यमन की बंदिश और राग खमाज की ठुमरी की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिससे पूरा परिसर मंत्रमुग्ध हो गया। अपने संबोधन में जिला पदाधिकारी ने सरकार की कला केंद्रित योजनाओं पर विशेष जोर देते हुए बताया कि कलाकारों के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया गया है। इस पोर्टल पर पंजीकरण कराने से कलाकारों को एक विशिष्ट डिजिटल पहचान मिलेगी, जो उन्हें सरकारी योजनाओं, पेंशन और पुरस्कारों का सीधा लाभ दिलाने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में कलाकारों को पंजीकृत करने के लिए वर्तमान में एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण बैठक में कलाकारों के उत्थान के लिए कई ठोस निर्णय लिए गए, जिसमें मुख्य रूप से कलाकार पेंशन योजना, अटल कला भवन निर्माण योजना और नई फिल्म नीति के कार्यान्वयन पर चर्चा हुई ताकि राज्य को एक रचनात्मक केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके। इस अवसर पर राजेन्द्र मिश्रा, चंद्रिका मिश्रा, राजकुमार सोनी, सलोनी उपाध्याय, काजल तिवारी समेत भारी संख्या में संगीत प्रेमी और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिन्होंने कला के संवर्धन हेतु सरकार के इस कदम की सराहना की।

## टीबीटी के तत्वाधान में मोतिहारी डायट प्रशिक्षण कॉलेज में एक फरवरी को शिक्षक सम्मान समारोह, 115 शिक्षक होंगे सम्मानित

बीएनएम@डुमरियाघाट

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से द बिहार टीचर्स हिस्ट्री मार्क्स (TBT) के तत्वावधान में आगामी एक फरवरी 2026 को मोतिहारी स्थित डायट कॉलेज परिसर में भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में पूर्वी चंपारण जिले के 115 शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन समिति टीबीटी जिलाध्यक्ष पूनम कुमारी के अनुसार, यह सम्मान उन शिक्षकों को प्रदान किया जा रहा है जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, डिजिटल माध्यमों और सामाजिक मंचों के जरिए बेहतर कार्य किया है। विशेष रूप से

प्रीति कुमारी शिक्षिका

टीबीटी जिलाध्यक्ष शिक्षिका पूनम कुमारी

"मेरा मोबाइल मेरी शिक्षा" पर किए गए उल्लेखनीय शैक्षणिक कार्यों के लिए शिक्षकों का चयन किया गया है। सम्मान समारोह में शिक्षा विभाग के वरीय अधिकारी, जिले के प्रशासनिक पदाधिकारी एवं शिक्षा जगत से जुड़े गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम को लेकर शिक्षकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। पूर्वी चंपारण जिले के सभी प्रखंडों से चयनित शिक्षक इस सम्मान का हिस्सा बनेंगे। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में टीबीटी संघ की जिलाध्यक्ष पूनम कुमारी, राजकीय अमृत मध्य विद्यालय छतौनी की प्रीति कुमारी, राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय रमपुरवा केसरिया के छाया गौतम, बच्चालाल साह प्रथमिक विद्यालय गिधौना उर्दू घोड़ासहन के अजीत कुमार, सहित जिले के विभिन्न सरकारी एवं राजकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हैं। आयोजकों ने बताया कि यह सम्मान शिक्षकों को प्रोत्साहित करने और शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक कार्यों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से दिया जा रहा है। समारोह के माध्यम से शिक्षा में नवाचार करने वाले शिक्षकों को एक साझा मंच भी प्रदान किया जाएगा।

# संदेश नाकारात्मक है

जिस समय मुक्त व्यापार समझौते के लिए भारत से वार्ता अंतिम दौर में है और इसी हफ्ते उसकी घोषणा की आशा है, जीएसपी के तहत मिली छूट की सुविधा हटाने के ईयू के कदम से नकारात्मक संदेश गया है। भारतीय उत्पादों से सामान्यीकृत प्राथमिकता प्रणाली (जीएसपी) के तहत मिली छूट को हटा लेने के यूरोपियन यूनियन (ईयू) के फैसले पर केंद्र ने कहा है कि भारतीय निर्यात पर इसका ज्यादा असर नहीं होगा। सरकार का दावा है कि इससे भारत के सिर्फ 2.66 प्रतिशत निर्यात प्रभावित होंगे। जबकि ईयू मुख्यालय से आई खबरों में बताया गया है कि जीएसपी छूट वापस होने से वस्त्र, प्लास्टिक, धातु, इंजीनियरिंग साग्रियां सहित लगभग 87 फीसदी भारतीय निर्यात यूरोपीय बाजार में बांग्लादेश या वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देशों के उत्पादों की तुलना में महंगे हो जाएंगे। जिस समय मुक्त व्यापार समझौते के लिए भारत से वार्ता अंतिम दौर में है और इसी हफ्ते उसकी घोषणा की आशा है, बेशक ईयू के इस कदम से नकारात्मक संदेश गया है। एक समझ यह है कि इससे व्यापार वार्ता में भारत की स्थिति कमजोर हुई है। जो छूट दशकों से हासिल थी, उसे बहाल कराना भी अब इस वार्ता में भारत का एक मकसद हो जाएगा। दूसरी तरफ उन रियायतों को ईयू भारत के लिए नई छूट के रूप में पेश कर सकता है। पहले ही सहमति ना बनने के कारण कृषि एवं निवेश संरक्षण जैसे क्षेत्रों को फिलहाल प्रस्तावित समझौते से अलग रखने का फैसला हुआ है। ईयू के कार्बन टैक्स का मुद्दा अभी अनसुलझा है। इस बीच मदर ऑफ ऑल डील्स तथा रक्षा एवं सुरक्षा समझौता होने जैसी बातें कही जरूर गई हैं। मगर यह भी साफ किया गया है कि 27 जनवरी को नई दिल्ली में होने वाली भारत- ईयू शिखर बैठक के दौरान समझौतों पर दस्तखत नहीं होंगे। इस बारे में सिर्फ आम सहमति बनने की घोषणा ही अपेक्षित है। गौरतलब है कि ईयू से मुक्त व्यापार समझौते की बात दशक पुरानी हो चुकी है। डॉनल्ड ट्रंप के दौर में बने अमेरिकी दबाव के कारण ईयू और भारत दोनों नए सहभागी ढूंढने को मजबूर हुए हैं, तो इस वार्ता को तरजीह मिली है। मगर अड़चनें अभी बरकरार हैं। इसी बीच ईयू ने जीएसपी सुविधा हटा कर अटकलों को हवा दी है। ऐसा जानबूझ कर किया गया या नहीं, इस बारे में फिलहाल कयास लगाए जा रहे हैं।

# धर्मेंद्र प्रधान जो सच स्वीकारना नहीं चाह रहे!



डॉ. मयंक चतुर्वेदी

यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) द्वारा अधिसूचित 'उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम, 2026' ने देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को गंभीर असमंजस में डाल दिया है। सरकार इसे समानता और सामाजिक न्याय की दिशा में बड़ा सुधार बता रही है, किंतु विश्वविद्यालय परिसरों में इसका असर इसके ठीक उलट दिखाई दे रहा है। वस्तुतः देश के अनेक हिस्सों में छात्र, शिक्षक और शैक्षणिक संगठन सड़कों पर उतर आए हैं। दिल्ली के जेएनयू और डीयू में कक्षाओं का बहिष्कार, मुंबई के आईआईटी बॉम्बे में धरना, भोपाल के बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में प्रशासनिक भवन घेराव जैसे अनेक विरोध देशभर में जनवरी 2026 से तेज हो चुके हैं। अब तक लाखों छात्र सड़क पर आकर अपना विरोध दर्ज करा चुके हैं, साफ समझ आ रहा है कि यह असंतोष 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026' नियमों की एकतरफा भाषा और संरचना का परिणाम है। जब विरोध तेज हुआ और राजनीतिक दबाव बढ़ा, तब केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मीडिया के सामने आए। 27 जनवरी को दिए बयान में उन्होंने कहा, "किसी भी वर्ग के साथ भेदभाव या उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा। न तो यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन, न केंद्र या राज्य सरकार किसी कानून का दुरुपयोग होने देगी। पूरी व्यवस्था संविधान के दायरे में रहेगी।" सुनने में यह बयान संतुलित लगता है, लेकिन समस्या यह है कि यह उस नियम से मेल नहीं खाता जिसे लेकर पूरा विवाद खड़ा हुआ है। मंत्री का आश्वासन कागजी है क्योंकि नियम 3(सी) सामान्य वर्ग को असुरक्षित छोड़ देता है। यूजीसी नियमः सतही समानता, गहरा पक्षपात यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के नए नियमों के तहत प्रत्येक विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में समानता समिति और समानता दस्ता का गठन अनिवार्य है। 24x7 हेल्पलाइन और शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करना होगा। जाति आधारित भेदभाव पर त्वरित कार्रवाई, उल्लंघन पर संस्थान की मान्यता रद्द या अनुदान रोकने की सजा- ये प्रावधान कागजों पर प्रभावी लगते हैं। किंतु वास्तविक विवाद नियम 3(सी) से उत्पन्न होता है। इसमें जाति आधारित भेदभाव की परिभाषा केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग तक सीमित है। यदि इन वर्गों का कोई छात्र सामान्य वर्ग के छात्र या शिक्षक पर आरोप लगाएगा तो शिकायत प्राइमा फेसी अपराध मानी जाएगी। 24 घंटे में जांच, तत्काल निलंबन संभव। लेकिन उल्टा होने पर सामान्य वर्ग का ब्राह्मण, क्षत्रिय, कायस्थ, वैश्य या अन्य छात्र जातिगत अपमान का शिकार होता है तो उसके लिए यहां कोई स्पष्ट संरक्षण प्रदान नहीं किया गया है। तथ्य प्रमाणः यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन अधिसूचना (राजपत्र अधिसूचना 2026/एचई/12) के पृष्ठ 5 पर नियम 3(सी) स्पष्ट लिखा है- "अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रों के विरुद्ध भेदभाव में मौखिक अपमान, सामाजिक बहिष्कार शामिल..."। सामान्य वर्ग का जिक्र शून्य। सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिका (रिट याचिका (सिविल) 2026/45, अभिषेक सिंह बनाम यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन) ने ठीक यही उद्धृत कर कहा कि यह अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) का उल्लंघन है। याचिका में मांग है कि परिभाषा सभी वर्गों के लिए हो। इस व्यवस्था का सबसे खतरनाक परिणाम उच्च शिक्षा में 'आरोप की संस्कृति' को बढ़ावा मिलेगा। बिना ठोस प्रमाण सिर्फ शिकायत पर निलंबन। सामान्य वर्ग के लिए अपील तंत्र पूरी तरह कमजोर दिखता है या कहें, है ही नहीं तो कुछ गलत नहीं होगा। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो आंकड़े 2025 के अनुसार, परिसरों में जातिगत शिकायतों के मामलों में दुरुपयोग सिद्ध हुआ, जोकि सामान्य वर्ग के खिलाफ थे।

उदाहरण 1: आईआईटी कानपुर (2024)- अनुसूचित जाति छात्र ने ब्राह्मण पीएचडी छात्र पर 'सवर्ण अहंकार' का आरोप लगाया। बिना जांच निलंबन कर दिया गया; न्यायालय ने बाद में बरी किया, किंतु जब तक उस छात्र के दो साल बर्बाद हो चुके थे, मानसिक प्रताड़ना, आर्थिक हानि के साथ पूरा परिवार दो वर्ष की न्याय की आस में न्यायालय, पुलिस प्रशासन और आईआईटी कानपुर के चक्कर लगाता रहा। उदाहरण 2: जेएनयू (2022)- अन्य पिछड़ा वर्ग छात्र की सामान्य वर्ग प्रोफेसर पर शिकायत पर विभागीय जांच हुई लेकिन उल्टा केस खारिज, प्रोफेसर साहब की कोई गलती नहीं पाई गई। उदाहरण 3: आईआईएम बैंगलोर (2023)- एससी छात्र ने जनरल कैटेगरी छात्र पर 'जातिवादी' होने का आरोप लगाया; ग्रुप प्रोजेक्ट से हटाया गया, बाद में कोर्ट में साबित हुआ कि लगाया गया आरोप झूठा है। उदाहरण 4: एआईआईएमएस दिल्ली (2024)- एसटी छात्र की सामान्य वर्ग इंटर्न पर 'भेदभाव' शिकायत; हॉस्टल से निकाला, जांच हुई तो सामान्य वर्ग का छात्र निर्दोष सिद्ध हुआ। उदाहरण 5: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (2025)- सामान्य वर्ग छात्र शिवम सोनकर को आरक्षण सीट न देने के नाम पर एससी संगठनों ने घेरा; दाखिला रुका। भोपाल एमएएनआईटी (2025)- एसटी छात्र ने जनरल छात्र को धमकाया, कोई कार्रवाई नहीं हुई। रोहिणी हत्याकांड (केरल विश्वविद्यालय, 2024) याद करें- सामान्य वर्ग लड़की को अनुसूचित जाति छात्रों ने जाति आधारित प्रताड़ना दी, लेकिन सुरक्षा अभाव में न्याय न मिला। इस प्रकार के अनेक प्रकरण हैं, जिनमें जो पीड़ित पक्ष था, वही जांच या न्यायालय से आरोपी सिद्ध हुआ, किंतु जब तक ये जांच चली सामान्य वर्ग के छात्र को चहुंओर से सिर्फ अपमान ही सहना पड़ा है। जो शिकायत कर्ता था अथवा जो पीड़ित था, पता चला कि उसके एससी-एसटी होने के कारण से उसके झूठे पाए जाने के बाद भी उस पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। क्या ये न्याय का मजाक नहीं है? संविधान का अनुच्छेद 14 सभी को कानून के समक्ष समानता देता है। अनुच्छेद 15(1) सभी नागरिकों के लिए जाति आधारित भेदभाव निषिद्ध करता है। सर्वोच्च न्यायालय के इंदिरा साहनी फैसले (1992) ने आरक्षण को 'सामाजिक न्याय' कहा, लेकिन 'रिवर्स भेदभाव' की मनाही की। यह नियम उसी का उल्लंघन है। अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) सुरक्षित वातावरण भी सुनिश्चित करता है। किंतु यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन इसे यहां तोड़ रहा है। शिक्षा परिसर विचार-विमर्श का स्थान होना चाहिए, न कि डर का। यह नियम छात्रों को जातियों में बांटेगा। यह सामाजिक तनाव बढ़ाएगा। वास्तव में धर्मेंद्र प्रधान का बयान तब तक अधूरा है जब तक नियम 3(सी) में सभी वर्गों को शामिल न किया जाए। सरकार को अधिसूचना वापस लेनी चाहिए या तटस्थ जांच तंत्र जोड़ना चाहिए। झूठी शिकायत पाए जाने पर कठोर दंड का प्रावधान करना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी तो है, लेकिन स्थगन आदेश लगे बिना दुरुपयोग रुकेगा नहीं, यह तय है, इस बात को तो स्वयं धर्मेंद्र प्रधान को भी समझना चाहिए। वैसे धर्मेंद्र प्रधान की पृष्ठभूमि छात्र नेता की रही है, वे लम्बे समय तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में कार्यरत रहे हैं, एक जिला इकाई से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर संगठन पदाधिकारी रहकर उन्होंने छात्रों की समस्याओं को नजदीक से जाना और उन समस्याओं के समाधान के लिए सतत संघर्ष किया है, इसलिए आज उनके न्याय की आस है। देखा जाए तो यह जो नियम आया है, इसकी कोई जरूरत नहीं थी, इसे आना ही नहीं चाहिए था, किंतु यदि सरकार को इतना ही जरूरी लगता है तो शिक्षा के स्तर पर जो समानता का नारा दिया जाता है, कम से कम इस नियम में उसी का पालन होता। अंत में यही कि न्याय सबके लिए होना चाहिए। अन्यथा, उच्च शिक्षा का भविष्य खतरे में है। सरकार सच स्वीकारे कि उससे गलती हुई, अब इसमें सुधार जितना शीघ्र हो उतना जल्दी करे, अन्यथा देश भर में यूजीसी द्वारा अधिसूचित 'उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम, 2026' के विरोध में आंदोलन और तेज होंगे। जो कहीं से भी किसी के हित में नहीं हैं।

# बजट 2026ः ग्रीन एनर्जी को मिल सकती है नई उड़ान



विवेक शुक्ला

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण आगामी 1 फरवरी 2026 को देश का आम बजट पेश करने वाली हैं। यह बजट भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि देश तेजी से विकास कर रहा है और पर्यावरण की रक्षा भी जरूरी है। ग्रीन एनर्जी यानी साफ और नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सोलर, विंड और हाइड्रोजन, भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साल 2030 तक 500 गीगावॉट नॉन-फॉसिल फ्यूल क्षमता हासिल करने और साल 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। इस बजट से ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को कई उम्मीदें हैं, जो देश को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में मजबूत बनाएंगी। सबसे पहले, ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। भारत में सोलर पैनल, विंड टरबाइन और बैटरी स्टोरेज जैसी चीजों का उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं आ सकती हैं। अभी भारत इनमें से कई सामान आयात करता है, जो महंगा पड़ता है। भारत में ग्रीन एनर्जी सेक्टर के एक्सपर्ट और येमनोको लिमिटेड के प्रमुख शैलेन्द्र बेबोरठा ने बीते दिनों राजधानी में हुई इंटरनेशनल कांफ्रेंस के दौरान कहा था कि बजट में नई मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के लिए 15 प्रतिशत की रियायती आयकर दर फिर से शुरू की जा सकती है। इससे लोकल उत्पादन बढ़ेगा और नौकरियां पैदा होंगी। साथ ही, टेक्नोलॉजी और उपकरण विकास पर फोकस होगा, ताकि भारत आत्मनिर्भर बने। उदाहरण के लिए, सोलर मॉड्यूल और सेल बनाने वाली फैक्टरियों को सब्सिडी या टैक्स छूट मिल सकती है। इससे ग्रीन एनर्जी सस्ती हो जाएगी और आम लोग इसे अपनाएंगे। दूसरी बड़ी उम्मीद स्टोरेज टेक्नोलॉजी से जुड़ी है। सोलर और विंड एनर्जी दिन-रात उपलब्ध नहीं रहती इसलिए बैटरी स्टोरेज बहुत जरूरी है। बजट में पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज और बैटरी सिस्टम के लिए ज्यादा फंडिंग की उम्मीद है। देश के ग्रीन एनर्जी सेक्टर से जुड़े सब लोगों की चाहत है कि सरकार रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ज्यादा खर्च करे, जैसे टेक्नोलॉजी इनक्यूबेटर्स और यूनिवर्सिटी-इंडस्ट्री सहयोग। इससे नई तकनीकें विकसित होंगी और एनर्जी स्टोरेज सस्ता होगा। साथ ही, ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए हाई-कैपेसिटी ट्रांसमिशन लाइन्स और सब स्टेशनों पर निवेश बढ़ सकता है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि बड़ी मात्रा में रिन्यूएबल एनर्जी को ग्रिड में जोड़ना पड़ता है, वरना बिजली बर्बाद हो जाती है। ग्रीन हाइड्रोजन भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहां बजट से बड़ी उम्मीदें हैं। ग्रीन हाइड्रोजन साफ पानी और रिन्यूएबल एनर्जी से बनता है और यह ट्रांसपोर्ट, इंडस्ट्री और पावर सेक्टर में इस्तेमाल हो सकता है। शैलेन्द्र बेबोरठा मानते हैं कि भारत ग्रीन हाइड्रोजन मिशन चला रहा है, लेकिन इसे तेज करने के लिए बजट में ज्यादा आवंटन चाहिए। इंडस्ट्री चाहती है कि उत्पादन, स्टोरेज और ट्रांसपोर्टेशन के लिए सब्सिडी दी जाए। साथ ही, एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए टैक्स इंसेंटिव्स आ सकते हैं। इससे भारत दुनिया में ग्रीन हाइड्रोजन का बड़ा उत्पादक बन सकता है और विदेशी मुद्रा कमा सकता है। रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देना भी एक बड़ी उम्मीद है। घरों और इमारतों पर सोलर पैनल लगाने से बिजली बिल कम होता है और पर्यावरण का बचाव होता है। बजट में रूफटॉप सोलर के लिए ज्यादा सब्सिडी या आसान लोन स्कीम्स आ सकती हैं। साथ ही, छोटे और मध्यम उद्योगों को ग्रीन एनर्जी अपनाने के लिए टैक्स ब्रेक्स मिल सकते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी सोलर एनर्जी फैलेगी और किसानों को फायदा होगा, जैसे सोलर पंप और इरिगेशन सिस्टम। बजट से क्लीन एनर्जी इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि एनर्जी सिक्योरिटी, अफोर्डेबिलिटी और सस्टेनेबिलिटी पर फोकस। सरकार पिछले सालों में रिन्यूएबल एनर्जी पर फोकस कर रही है, लेकिन अब कैपेसिटी एडिशन से आगे बढ़कर स्टेबिलिटी और परफॉर्मेंस पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए ग्रिड रिफॉर्म्स जरूरी हैं, जैसे स्मार्ट ग्रिड और डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम अपग्रेड। साथ ही, क्लीन एनर्जी फंड्स बढ़ाए जा सकते हैं, जो प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को आकर्षित करेंगे। एक और महत्वपूर्ण उम्मीद है कि बजट में ग्रीन फाइनेंसिंग को बढ़ावा दिया जाए। बैंक और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस को ग्रीन प्रोजेक्ट्स के लिए सस्ते लोन देने के लिए इंसेंटिव्स मिल सकते हैं। साथ ही, कार्बन टैक्स या ग्रीन बॉन्ड्स जैसी स्कीम्स आ सकती हैं, जो फॉसिल फ्यूल्स से दूर जाने में मदद करेंगी। इससे विदेशी निवेश भी बढ़ेगा, क्योंकि दुनिया भर में ग्रीन इन्वेस्टमेंट ट्रेंड है। ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में लोकल मैन्युफैक्चरिंग और क्लीन फ्यूल्स पर ज्यादा जोर होगा। उदाहरण के लिए, बायोफ्यूल और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स से जुड़ी इंडस्ट्री को सपोर्ट। इससे प्रदूषण कम होगा और अर्थव्यवस्था मजबूत बनेगी। साथ ही, आरएनडी पर ज्यादा बजट से नई इनोवेशंस आएंगी, जैसे एडवांस्ड सोलर सेल्स या विंड टरबाइन्स। इन सब उम्मीदों से ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में तेजी आएगी लेकिन चुनौतियां भी हैं, जैसे महंगे इक्विपमेंट और ग्रिड कनेक्टिविटी। बजट अगर इन पर फोकस करे तो भारत रिन्यूएबल एनर्जी टारगेट को आसानी से हासिल कर सकता है। साथ ही, क्लाइमेट चेंज से लड़ने में भारत लीडर बनेगा। बजट 2026 ग्रीन एनर्जी के लिए टर्निंग पॉइंट हो सकता है। अगर सरकार मैन्युफैक्चरिंग, स्टोरेज, हाइड्रोजन और ग्रिड पर निवेश करे तो देश स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। इससे नौकरियां बढ़ेंगी, अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और पर्यावरण बचेगा। सभी की नजरें अब 1 फरवरी पर टिकी हैं।




**मेष राशिः** मंगलवार को मेष राशि वालों के लिए दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहने वाला है। सुबह के समय नए कार्यों को शुरू करने की इच्छा प्रबल रहेगी और आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ महसूस होगा। सामाजिक गतिविधियों या किसी छोटे आयोजन में शामिल होने का अवसर मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

**वृषभ राशिः** वृषभ राशि के जातकों के लिए दिन थोड़ा उलझन भरा हो सकता है। कुछ काम अपेक्षा के अनुसार पूरे न होने से मन असंतुष्ट रह सकता है। कार्यस्थल पर दबाव अधिक महसूस होगा, जिससे मानसिक थकावट बढ़ सकती है। दोपहर के बाद परिस्थितियां धीरे-धीरे अनुकूल होने लगेंगी और रुके हुए कामों में गति आएगी।

**मिथुन राशिः** मिथुन राशि वालों के लिए यह दिन सक्रियता और संपर्कों से भरा रहेगा। पारिवारिक और व्यावसायिक दोनों मोर्चों पर व्यस्तता बनी रहेगी। कोई नया अवसर या जिम्मेदारी मिलने से उत्साह बढ़ेगा। काम का बोझ अधिक होने के कारण थकान महसूस हो सकती है, लेकिन लक्ष्य पूरे होने से संतोष भी मिलेगा। मित्रों के साथ मेलजोल और सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी से मन प्रसन्न रहेगा।

**कर्क राशिः** कर्क राशि के जातकों के लिए यह दिन जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए प्रयासों की शुरुआत हो सकती है, लेकिन शुरुआत में दिशा को लेकर असमंजस महसूस होगा। वरिष्ठों की सलाह लेने से स्थिति स्पष्ट होगी। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत रहेगी, खासकर बाहर की भागदौड़ से बचना बेहतर रहेगा। दोपहर के बाद मनोबल में सुधार होगा और कामकाज में सकारात्मक परिणाम मिलने लगेंगे।

**सिंह राशिः** सिंह राशि वालों के लिए दिन की शुरुआत कुछ भारीपन के साथ हो सकती है। मानसिक तनाव या चिंता के कारण एकाग्रता प्रभावित हो सकती है। दोपहर के बाद परिस्थितियों में सुधार आएगा और पारिवारिक माहौल सुखद बनेगा। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों से जरूरी चर्चा संभव है, जो भविष्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

**कन्या राशिः** कन्या राशि के जातकों के लिए यह दिन संयम और धैर्य की मांग करेगा। नए कार्यों या लंबी यात्राओं को फिलहाल टालना बेहतर रहेगा। मानसिक रूप से आप अंतर्मुखी रह सकते हैं और आध्यात्मिक विषयों की ओर झुकाव बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी या क्रोध से नुकसान हो सकता है, इसलिए संतुलित व्यवहार जरूरी रहेगा।

**तुला राशिः** तुला राशि वालों के लिए मंगलवार का दिन सकारात्मक शुरुआत के साथ आएगा। नया काम शुरू करने या किसी योजना पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं और किसी अहम मीटिंग से फायदा हो सकता है। व्यापार विस्तार के लिए यात्रा की संभावना भी बन सकती है।

**वृश्चिक राशिः** वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह दिन बौद्धिक गतिविधियों और योजनाओं में व्यस्त रहने वाला है। धन से जुड़े मामलों में समय अनुकूल है और व्यापार में लाभ मिलने की संभावना है। दोपहर के बाद मित्रों या रिश्तेदारों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य के मामले में लापरवाही नुकसानदेह हो सकती है।

**धनु राशिः** धनु राशि वालों को मंगलवार को स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। मेहनत के बावजूद अपेक्षित परिणाम न मिलने से निराशा हो सकती है। यात्रा से बचना हितकर रहेगा। दोपहर के बाद परिस्थितियों में सुधार आएगा और ऊर्जा का स्तर बढ़ेगा।

**मकर राशिः** मकर राशि के जातकों के लिए यह दिन भावनाओं पर नियंत्रण रखने का है। जमीन-जायदाद या दस्तावेजों से जुड़े मामलों में सतर्कता जरूरी रहेगी। मानसिक चिंता बनी रह सकती है, इसलिए धैर्य से काम लें। संतान या परिवार से जुड़ी किसी बात को लेकर मन व्यस्त रहेगा। अधिकारियों या प्रशासन से बातचीत में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। यात्रा की योजना फिलहाल टालना बेहतर रहेगा।

**कुंभ राशिः** कुंभ राशि वालों के लिए दिन नए विचारों और योजनाओं से भरा रहेगा। हालांकि किसी बड़े निर्णय को लेने से पहले रुककर सोचने की जरूरत होगी। कार्यस्थल पर पुराने अधूरे काम निपटाने पर ध्यान जाएगा। रचनात्मक या साहित्य से जुड़े लोगों के लिए समय अच्छा है। दोपहर के बाद परिस्थितियों में बदलाव आएगा, लेकिन मन में भ्रम बना रह सकता है।

**मीन राशिः** मीन राशि के जातकों के लिए मंगलवार को आर्थिक मामलों में सतर्कता जरूरी रहेगी। खर्च बढ़ने से चिंता हो सकती है और आय बढ़ाने के नए विकल्पों पर विचार करेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा कड़ी रहेगी और विरोधी सक्रिय रह सकते हैं। वाणी और व्यवहार में संयम रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

# अजित पवारः आरोपों से ऊपर उठे राजनीति के 'दादा-पुरुष'

ललित गर्ग

यह खबर केवल एक व्यक्ति के निधन की नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के एक पूरे युग के अचानक थम जाने की सूचना है। 28 जनवरी 2026 की सुबह जब बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित अनंतराव पवार के असामयिक निधन की पुष्टि हुई, तो वह क्षण केवल पवार परिवार के लिए नहीं, बल्कि समूचे महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए गहरे शोक और स्तब्धता का कारण बन गया। जिस नेता को लोग अधिकार, अनुभव और निर्णय क्षमता का पर्याय मानते थे, उसका इस तरह अचानक चले जाना सत्ता, प्रशासन और राजनीतिक संतुलन में एक बड़ा रिक्त स्थान छोड़ गया है। एक संभावनाओं भरी महाराष्ट्र की राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल महाराष्ट्र के लिये, भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से सहकारी आन्दोलन को भी गहरा धक्का लगा है। अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। औपचारिक शिक्षा माध्यमिक स्तर तक ही सीमित रही, किंतु जीवन की व्यावहारिक पाठशाला ने उन्हें वह सिखाया जो बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान भी नहीं सिखा पाते। शायद यही कारण रहा कि अजित पवार की राजनीति किताबों से नहीं, जमीन से निकली हुई राजनीति थी, जिसमें किसानों की पीड़ा, सहकारी संस्थाओं की ताकत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नब्ज साफ दिखाई देती थी। राजनीति में उनका प्रवेश किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि सहकारी आंदोलन की प्रयोगशाला से हुआ। 1982 में मात्र बीस वर्ष की आयु में उन्होंने एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा। यह वही दौर था जब महाराष्ट्र की राजनीति में सहकारी संस्थाएं सत्ता की रीढ़ मानी जाती थीं। अजित पवार ने बहुत जल्दी समझ लिया कि यदि ग्रामीण महाराष्ट्र को साधना है तो उसे बैंक, चीनी मिल, सिंचाई और बिजली से जोड़ना होगा। यही समझ आगे चलकर उनकी राजनीतिक पहचान की सबसे बड़ी ताकत बनी। 1991 अजित पवार के राजनीतिक जीवन का निर्णायक वर्ष रहा। पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्होंने वित्तीय प्रशासन और संगठन संचालन में अपनी दक्षता का परिचय दिया। सोलह वर्षों तक इस पद पर बने रहना अपने आप में उनकी विश्वसनीयता और पकड़ को दर्शाता है। उसी वर्ष बारामती से लोकसभा के लिए निर्वाचित होना उनके बढ़ते कद का प्रमाण था, लेकिन उन्होंने यह सीट अपने चाचा शरद पवार के लिए छोड़ दी। यह फैसला केवल पारिवारिक निष्ठा का नहीं, बल्कि राजनीतिक दूरदृष्टि का भी उदाहरण था। इसके बाद विधानसभा में प्रवेश और फिर लगातार बारामती से जीत ने उन्हें जनाधार का वह आधार दिया, जिसे महाराष्ट्र की राजनीति में विरले ही कोई चुनौती दे सका। अजित पवार को सत्ता के गलियारों में पहुंचाने वाली सबसे बड़ी विशेषता उनकी प्रशासनिक पकड़ थी। कृषि, बागवानी, बिजली और जल संसाधन जैसे कठिन और संवेदनशील विभागों को संभालते हुए उन्होंने विकास और विवाद दोनों को नजदीक से जिया। जल संसाधन मंत्री के रूप में कृष्णा घाटी और कोकण सिंचाई परियोजनाओं से उनका नाम जुड़ा। इन परियोजनाओं ने जहां किसानों के लिए पानी और उम्मीद का संदेश दिया, वहीं आलोचनाओं और आरोपों का बोझ भी उनके कंधों पर रखा। इसके बावजूद वे उन नेताओं में रहे जो फाइलों से नहीं, फैसलों से पहचाने जाते थे। उपमुख्यमंत्री के रूप में उनका सफर महाराष्ट्र की राजनीति में एक अनोखा अध्याय है। छह बार इस पद तक पहुंचना केवल राजनीतिक संयोग नहीं था, बल्कि सत्ता संतुलन, गठबंधन राजनीति और संगठनात्मक ताकत का परिणाम था। वे सरकार में अक्सर संकटमोचक की भूमिका में दिखे। बजट, वित्तीय प्रबंधन और संसदीय रणनीति में उनकी पकड़ ऐसी थी कि विरोधी भी उनके अनुभव को नजरअंदाज नहीं कर पाते थे। उन्हें महत्वाकांक्षी कहा गया, कभी-कभी कठोर और रूखे स्वभाव का नेता भी बताया गया, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता की वास्तविकता को वे भावनाओं से नहीं, निर्णयों से देखते थे। विवाद उनके राजनीतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे। सिंचाई घोटाले से लेकर बयानबाजी तक, कई मौके ऐसे आए जब उनकी छवि पर प्रश्नचिह्न लगे। "अगर बांध में पानी नहीं है तो क्या पेशाब करके भरें?" जैसे बयान ने उन्हें आलोचनाओं के केंद्र में ला खड़ा किया। उन्होंने माफी भी मांगी, सफाई भी दी और समय के साथ उन विवादों से उबरते हुए फिर सत्ता के शीर्ष पर लौटे। यह उनकी राजनीतिक जिजीविषा का प्रमाण था कि आलोचना और आरोप उन्हें रोक नहीं पाए। शरद पवार के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी हमेशा चर्चाएं रहीं। कभी मतभेद, कभी दूरी और कभी सियासी अलग राह की अटकलें। लेकिन अजित पवार स्वयं को हमेशा शरद पवार का अनुयायी बताते रहे। उन्हें मिला "दादा" का संबोधन केवल पारिवारिक नहीं था, बल्कि वह एक राजनीतिक ब्रांड बन चुका था, जो उनके समर्थकों में भरोसे और नेतृत्व की भावना जगाता था। वे संगठनकर्ता भी थे और प्रशासक भी, रणनीतिकार भी और जमीनी नेता भी। उन्हें अपनी विविध आयामी भूमिकाओं से अपने को मिले 'दादा' के अलंकरण को सार्थक भी किया और जीवंतता भी दी। उनका असामयिक निधन एक क्रूर विडंबना है। जिस नेता ने दशकों तक सत्ता की उड़ान भरी, उसकी जीवन यात्रा एक विमान हादसे में थम गई। कहा जाता है कि दुर्घटना से कुछ समय पहले तक वे पूरी तरह सक्रिय थे, योजनाओं, बैठकों और राजनीतिक समीकरणों में व्यस्त। यह अचानक आई मृत्यु उस अनिश्चितता को रेखांकित करती है, जो सत्ता और जीवन दोनों के साथ जुड़ी है। अजित पवार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, समाज निर्माता, ग्राम-उद्धारक, सहकारी आन्दोलन पुरोधा, कुशल प्रशासक के रूप में अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का स्पर्श किया। यही कारण है कि कोई भी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र आपके जीवन से अछूता रहा हो, संभव नहीं लगता। आपके जीवन की खिड़कियाँ समाज एवं राष्ट्र को नई दृष्टि देने के लिए सदैव खुली रही। उनकी सहजता और सरलता में गोता लगाने से ज्ञात होता है कि वे राजनीतिक सरोकार से ओतप्रोत एक अल्हड़ एवं साहसिक व्यक्तित्व थे। बेशक अजित पवार अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने जुझारु राजनीति जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति एवं राष्ट्रवादी सोच के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे। आज जब महाराष्ट्र और देश उनके निधन पर शोकाकुल है, तब अजित पवार का मूल्यांकन केवल प्रशंसा या आलोचना के तराजू पर नहीं किया जा सकता। वे विवादों से घिरे रहे, लेकिन उनसे परिभाषित नहीं हुए।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

# टी20 विश्वकप में कोई टीम भारत के सामने टिक नहीं पायेगी : इरफान पठान

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि इस बार भारतीय टीम अपनी धरती पर होने वाले टी20 विश्कवप को जीतने की प्रबल दावेदार रहेगी। पठान के अनुसार जिस प्रकार के फार्म में भारतीय टीम अभी है उससे कोई भी टीम उसके सामने नहीं टिक पायेगी। पठान ने कहा कि जिस प्रकार भारतीय टीम ने हाल के समय में खेला है और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज पर कब्जा किया है उससे उसके बुलंद हौंसले का अंदाजा लगाया जा सकता है। टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी दोनो ही लाजवाब है। : टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम का आक्रामक प्रदर्शन देखकर ही अन्य टीमें दबाव में आ जाएंगी। भारतीय टीम ने कीवी टीम के खिलाफ जिस प्रकार तेजी से लक्ष्य का पीछा किया है। उसे पता चलता है कि टीम निडर होकर खेल रही है। साथ ही कहा कि जो भी टीम भारतीय टीम के बीच आयेगी वह ध्वस्त हो जाएगी।<साथ ही कहा कि टीम का लक्ष्य अपनी खिताब बरकरार रखना रहेगा। आज तक मेजबानी करने वाली टीमों ने टी20 विश्व कप नहीं जीता है। इसलिए भारतीय टीम इस बार जीत के साथ ही इस मिथ को भी तोड़ देगी। टीम बड़ जीत दर्ज कर विश्वकप में इतिहास रच देगी। पठान ने कहा है कि भारतीय टीम तकरीबन अपराजेय दिख रही है। ऐसी टीम जिसे हराना लगभग असंभव है। पठान ने कहा, 'इस भारतीय टीम को हराना करीब करीब असंभव सा लग रहा है। उनके खेल को देखकर ऐसा लग रहा है कि जो भी इनके खिलाफ आएगा वो पूरी तरह बिखर जाएगा ' न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के तीसरे टी20 मैच का उदाहरण देते हुए पठान ने कहा कि जब विकेट गिर जा रहे थे तो भी टीम के आक्रामक अंदाज में बदलाव नहीं आया। पठान ने आगे कहा, 'भारतीय टीम का यही आक्रामक अंदाज ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण् अफ्रीका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज जैसी टीमों के लिए डरावना रहेगा। भारतीय टीम अविश्वसनीय क्रिकेट खेल रही है। भारतीय टीम विश्व कप से पहले दूसरी टीमों पर दबाव बना रही है।' टी20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

# दक्षिण अफ्रीका ने पहले टी20 में वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया

एजेंसी, पर्ल

दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार देर रात ( स्थानीय समयानुसार) पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। जॉर्ज लिंडे की शानदार गेंदबाजी और शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत मेजबान टीम ने यह जीत आसानी से दर्ज की। पहले गेंदबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने जॉर्ज लिंडे (3/25) के नेतृत्व में अनुशासित प्रदर्शन किया। केशव महाराज और कॉर्बिन बॉश ने भी दो-दो विकेट चटकाए, जिससे वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 173 रन ही बना सकी। मेहमान टीम के लिए शिमरोन हेटमायर ने सर्वाधिक 48 रन बनाए, जबकि रोवमैन पॉवेल 29 रन बनाकर नाबाद रहे। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। कप्तान एडेन मार्करम ने 47 गेंदों पर नाबाद 86 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें तीन छक्के और नौ चौके शामिल थे। उन्हें युवा ओपनर ल्हुआन-ड्रे प्रिटोरियस (28 गेंदों पर 44 रन) और रयान रिकेल्टन (32 गेंदों पर नाबाद 40 रन) का अच्छा साथ मिला। दक्षिण अफ्रीका ने 17.5 ओवर में ही 1 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मार्करम और प्रिटोरियस ने पहले विकेट के लिए आठ ओवर में 83 रन जोड़कर मैच को शुरुआती चरण में ही वेस्टइंडीज की पकड़ से बाहर कर दिया। पावरप्ले के आखिरी दो ओवरों में 29 रन बटोरते हुए दक्षिण अफ्रीका ने बिना विकेट गंवाए छह ओवर में 68 रन बना लिए। प्रिटोरियस के आउट होने के बाद भी मार्करम ने रनगति बनाए रखी और कप्तानी पारी खेलते हुए अपनी टीम को आसान जीत दिलाई। वेस्टइंडीज के लिए यह दिन गेंदबाजी और फील्डिंग दोनों में निराशाजनक रहा। विशेषकर अकील हुसैन का दिन खराब रहा, जिन्होंने मार्करम का आसान कैच छोड़ा और तीन ओवर में 31 रन लुटा दिए। मार्करम ने अंत में जेसन होल्डर की गेंदों पर लगातार बाउंड्री लगाकर जीत पर मुहर लगा दी। इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम अच्छी शुरुआत के बावजूद मध्य ओवरों में लड़खड़ा गई। एक समय टीम 95/5 के स्कोर पर संकट में थी, लेकिन हेटमायर और पॉवेल ने छठे विकेट के लिए 74 रन जोड़कर पारी को संभाला। हालांकि, डेथ ओवरों में दक्षिण अफ्रीका की सटीक गेंदबाजी के सामने वेस्टइंडीज आखिरी पांच ओवरों में सिर्फ 39 रन ही जोड़ सकी।

**संक्षिप्त स्कोरः**

**वेस्टइंडीज** 173/7 (20 ओवर) — शिमरोन हेटमायर 48, रोवमैन पॉवेल 29*; जॉर्ज लिंडे 3/25, कॉर्बिन बॉश 2/35।

**दक्षिण अफ्रीका** 176/1 (17.5 ओवर) — एडेन मार्करम 86*, ल्हुआन-ड्रे प्रिटोरियस 44, रयान रिकेल्टन 40*।

**परिणामः** दक्षिण अफ्रीका ने 9 विकेट से जीत दर्ज की।

# कोग्नीवेरा कप 2026: जिंदल बेदला ने चांदना पोलो को 9.5–5 से हराया

एजेंसी, जयपुर

कोग्नीवेरा कप 2026 के तहत जयपुर में बुधवार को खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में जिंदल बेदला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चांदना पोलो को 9.5–5 से पराजित किया। इस जीत के साथ जिंदल बेदला ने मौजूदा सत्र में अपनी विजयी लय को और मजबूत किया। हैंडिकैप नियम के तहत जिंदल बेदला ने मैच की शुरुआत 0.5 अंक की बढ़त के साथ की। शुरुआती चक्कर में दोनों टीमों ने तेज़ खेल दिखाते हुए एक-दूसरे की रक्षा पंक्तियों को भेदने की कोशिश की। हालांकि, जल्द ही जिंदल बेदला ने मैच पर पकड़ बना ली। सिद्धांत शर्मा और राव हिम्मत सिंह बेदला के बेहतरीन खेल की बदौलत जिंदल बेदला ने दूसरे चक्कर के अंत तक मजबूत बढ़त हासिल कर ली। सिद्धांत शर्मा ने लगातार तीन गोल दागते हुए टीम की बढ़त को 3.5 गोल तक पहुंचाया। दूसरे चक्कर के अंत में स्कोर 6.5–3 जिंदल बेदला के पक्ष में रहा। अंतिम चक्कर में भी जिंदल बेदला का दबदबा बरकरार रहा। सिद्धांत शर्मा ने दो और गोल करते हुए मुकाबले को पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में मोड़ दिया और किसी भी संभावित उलटफेर की गुंजाइश नहीं छोड़ी। मैच में सिद्धांत शर्मा ने कुल छह गोल किए, जबकि राव हिम्मत सिंह बेदला ने दो गोल दागे। सिमरन शेरगिल ने भी एक गोल कर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। यह जीत हाल ही में राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप में मिली सफलता के बाद आई है, जिससे साफ है कि इस सत्र में जयपुर पोलो सर्किट में जिंदल बेदला सबसे मजबूत टीम के रूप में उभर रही है। टीम अब ऐतिहासिक सात फुट ऊंची कोग्नीवेरा ट्रॉफी जीतने की ओर मजबूती से बढ़ रही है।

# टी20 विश्चकप में आईपीएल के अनुभवों का लाभ मिलेगा : रिकेल्टन

एजेंसी, केप टाउन

टी20 विश्वकप के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम में शामिल बल्लेबाज रयान रिकेल्टन के अनुसार भारत में खेले आईपीएल के अनुभवों का लाभ उन्हें इस आईसीसी टूर्नामेंट में मिलेगा। रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स को क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने टोनी डी जोरजी और डोनोवन फरेरा के फिट नहीं होने के कारण टी20 विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया है। रिकेल्टन ने मई 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला टी20 खेला था। इसके बाद से ही उन्होंने 18 मैचों में दो अर्धशतक के साथ ही 381 रन बनाए हैं। रिकेल्टन 2024 टी20 विश्वकप के लिए भी टीम में शामिल थे। इस खिलाड़ी ने सला 2025 सत्र में पहली बार आईपीएल खेला था। इस बल्लेबाज मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए हुए 14 मैचों में तीन अर्धशतक के साथ ही 388 रन बनाए हैं। रिकेल्टन ने कहा कि उन्हें टी20 विश्वकप से पहले अपने खेलने के अंदाज पर फिर विचार करना पड़ेगा क्योंकि उपमहाद्वीप के हालात अलग होते हैं। भारत में अब तक खेले दो एकदिवसीय में वह असफल रहे हैं पर पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने शतक बनाया था। रिकेल्टन ने कहा, मुझे अपने आईपीएल अनुभव पर थोड़ा और भरोसा करना होगा। मैं भारत में अधिकतर मैदानों में खेला हूं और इसका लाभ भी मुझे मिलेगा। उन्होंने हालांकि कहा कि आईसीसी इवेंट्स में हालात अलग होते हैं। भारत में खेला का खासा जुनून रहता है। ऐसे में वह खेलना आसान नहीं होता है। यहां मैच में काफी दबाव रहता है।

# गुजरात के खिलाफ जुझारू पारी के बाद बोलीं निकी प्रसाद- ये परिस्थितियां मेरे लिए सीखने के पल हैं

एजेंसी, वडोदरा

जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की सह-मालिकाना हक वाली दिल्ली कैपिटल्स महिला टीम मंगलवार को बीसीए स्टेडियम, कोटांबी में खेले गए विमेंस प्रीमियर लीग 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में गुजरात जायंट्स के खिलाफ तीन रन से हार गई। 175 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 171 रन ही बना सकी। इस मुकाबले में 20 वर्षीय युवा बल्लेबाज़ निकी प्रसाद ने दबाव भरी स्थिति में शानदार जुझारूपन दिखाया। टीम के 100 रन पर 6 विकेट गिर जाने के बाद मैदान पर उतरीं निकी ने मात्र 25 गेंदों में 47 रनों की निडर पारी खेली। उन्होंने स्नेह राणा के साथ सिर्फ 31 गेंदों में 70 रनों की अहम साझेदारी कर मैच को आखिरी ओवर तक पहुंचाया। हालांकि अंतिम ओवर में सोफी डिवाइन ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए आठ रनों का बचाव किया और गुजरात जायंट्स को जीत दिलाई। इससे पहले गुजरात जायंट्स ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 174 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से श्रेया चरणी सबसे प्रभावशाली गेंदबाज़ रहीं, जिन्होंने 31 रन देकर 4 विकेट झटके और मध्य ओवरों में रन गति पर काफी हद तक लगाम लगाई। मैच के बाद अपनी पारी पर बात करते हुए निकी प्रसाद ने कहा, "जब मैं बल्लेबाज़ी करने आई, तब स्थिति काफी मुश्किल थी। लेकिन मेरे दिमाग में साफ था कि अगर मैं क्रीज़ पर टिके रहूं और रन गति बनाए रखूं, तो हम मैच में बने रह सकते हैं। स्नेह के आते ही जिस तरह उन्होंने चौके लगाए, उससे मेरा आत्मविश्वास और बढ़ गया। हम दोनों की कोशिश 12 रन प्रति ओवर की रफ्तार बनाए रखने की थी।" अपनी बल्लेबाज़ी रणनीति पर बोलते हुए निकी ने कहा, "हमने जल्दी समझ लिया था कि गेंदबाज़ थोड़ी धीमी और छोटी गेंदें कर रहे हैं, इसलिए मैंने गैप्स में खेलने और हवा में शॉट लगाने की कोशिश की। जैसे ही गेंद ज़मीन पर लगती थी, वह तेजी से बाउंड्री की ओर जा रही थी।" करीबी हार पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, "इतने करीब आकर हारना निराशाजनक है, लेकिन मेरे लिए ये परिस्थितियां सीखने के पल हैं। मैं और मेहनत करूंगी ताकि अगली बार ऐसी स्थिति में टीम को जीत दिला सकूं।" दिल्ली कैपिटल्स अपना आखिरी लीग मुकाबला 1 फरवरी को यूपी वॉरियर्स के खिलाफ खेलेगी।

## व्यापार

# लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

**नई दिल्ली**। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दिन के पहले सत्र में लगातार खरीदारी का जोर बना रहा। दिन के दूसरे सत्र में जम कर मुनाफा वसूली भी हुई। हालांकि आखिरी घंटे के कारोबार में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.60 प्रतिशत और निफ्टी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान डिफेंस और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। निफ्टी का डिफेंस इंडेक्स 5 प्रतिशत तक उछल गया। बीएसई का कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी 5 प्रतिशत उछल कर बंद हुआ। इसी तरह इंडस्ट्रियल, एनर्जी, कैपिटल गुड्स, ऑयल एंड गैस, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, हेल्थ केयर, मेटल और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.81 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में छह लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 459.73 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 453.67 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.06 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन

भर के कारोबार में बीएसई में 4,373 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,945 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,291 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 137 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,917 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,254 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 663 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर बढ़त के साथ और 8 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 34.88 अंक की मामूली तेजी के साथ 81,892.36 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही खरीदारी का जोर बन जाने के कारण ये सूचकांक 646.49 अंक की छलांग लगा कर 82,503.97 अंक के स्तर तक पहुंच गया। दोपहर 12 बजे तक सेंसेक्स मामूली उतार-चढ़ाव के बावजूद लगातार मजबूती के साथ कारोबार करता रहा। इसके बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से दोपहर दो बजे के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 690 अंक टूट कर 42.73 अंक की कमजोरी के साथ लाल निशान में 81,814.75 अंक तक गिर गया। कारोबार के आखिरी घंटे में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 530 अंक उछल कर 487.20 अंक की बढ़त के साथ 82,344.68 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

# सोने की कीमत में मामूली गिरावट, चांदी ने फिर लगाई 20 हजार रुपये की छलांग

**नई दिल्ली**। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में सांकेतिक गिरावट का रुख बना है। दूसरी ओर, चांदी ने आज एक बार फिर लगभग 20 हजार रुपये की छलांग लगा कर मजबूती का नया रिकॉर्ड बना दिया है। सोने की कीमत में आई मामूली कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,61,940 रुपये से लेकर 1,62,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,48,440 रुपये से लेकर 1,48,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी जबरदस्त तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 3,80,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,62,090 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,61,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,61,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,61,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,62,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,61,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

# बजट 2026 से पहले एग्री और डिफेंस शेयरों में हलचल

## जनवरी महीने में अब तक इन सेक्टरों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा

**नई दिल्ली**। बजट 2026 नजदीक आते ही शेयर बाजार में एग्रीकल्चर और डिफेंस सेक्टर सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। उम्मीद की जा रही है कि सरकार बजट में इन दोनों क्षेत्रों को खास प्रोत्साहन दे सकती है। इसी कारण निवेशकों की नजरें पहले से ही इन शेयरों पर टिकी हुई हैं। हालांकि, जनवरी महीने में अब तक इन सेक्टरों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और इनमें जबरदस्त बिकवाली देखने को मिली है। कृषि क्षेत्र से जुड़े शेयरों ने निवेशकों को सबसे ज्यादा चौंकाया है। भारत रसायन, इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज, एस्टेक लाइफसाइंसेज, पंजाब केमिकल्स, हेरानबा और इंसेक्टिसाइड्स इंडिया जैसे शेयर जनवरी में 15 से 30 प्रतिशत तक टूट चुके हैं। इस गिरावट की एक बड़ी वजह वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव मानी जा रही है। डिफेंस सेक्टर भी इस गिरावट से अछूता नहीं रहा। डेटा पैटर्न्स, आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी, अवांटेल, एक्सिसकैड्स टेक्नोलॉजीज और पारस डिफेंस जैसे शेयर 9 से 17 प्रतिशत तक फिसल चुके हैं। इस दौरान पूरे बाजार में कमजोरी रही और निफ्टी

करीब 4 प्रतिशत जबकि निफ्टी 500 लगभग 5 प्रतिशत टूट गया। बाजार के जानकारों का मानना है कि डिफेंस सेक्टर अगले 1–2 साल में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है, लेकिन एग्री शेयरों में फिलहाल सतर्कता जरूरी है। उनके अनुसार अमेरिका-ईरान तनाव और भारत के ईरान को होने वाले एग्री एक्सपोर्ट पर सख्त नीतियों का असर पड़ सकता है।

# मोटोरोला एज 70 फ्यूजन के लांच से पहले लीक हुई तस्वीर.....लुक और फीचर्स दमदार

**मुंबई**। मोटोरोला अपने नए स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 फ्यूजन के लांच की तैयारी कर रही है और लांच से पहले ही फोन का लुक और फीचर्स लीक हुए हैं। लीक हुए फोटो में फोन का सिल्हाउट वेरिएंट (ब्लैक) और कंट्री एयर शेड्स दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा ब्लू, ओरिएंट ब्लू और स्पोर्टिंग ग्रीन कलर वेरिएंट भी लांच होगा। सभी कलर पैंटोन वैलिडेटेड हैं और प्रीमियम लुक देने के लिए डिज़ाइन किया है। रिपोर्ट के अनुसार फोन का बैक पैनल नायलॉन और लिनेन इंस्पायर्ड होगा। डिज़ाइन में ग्लॉसी ग्लास मॉड्यूल मिलेगा, जबकि सिल्हाउट वेरिएंट में चारों तरफ गोल्ड फ्रेम दिया जाएगा। फ्रंट में मिनिमल बेजल्स और सेल्फी कैमरे के लिए होल-पंच कटआउट मिलेगा। मोटोरोला एज 70 फ्यूजन में 6.78 इंच का क्वॉड-कर्व्ड एमलोयड डिस्प्ले होगा, जिसमें 1.5के रेज़ॉल्यूशन और 144एचजेड रिफ्रेश रेट का सपोर्ट मिलेगा। डिस्प्ले का पीक ब्राइटनेस 5200 निट्स तक हो सकता है। फोटोग्राफी के लिए फोन में 50 मैगापिक्सल का ट्रिपल रियर कैमरा और 32 मैगापिक्सल का फ्रंट कैमरा शामिल है। फोन में स्पैनड्रैगन 7 एस जेन 3 प्रोसेसर,

8जीबी/12जीबी रैम और 256जीबी इंटरनल स्टोरेज के विकल्प मिल सकते हैं। बैटरी 7000एमएएच की होने की उम्मीद है और यह 68वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करेगी। ऑपरेटिंग सिस्टम एंड्राइड 16 पर बेस्ड हैलो यूएक्स होगा, जो यूजर अनुभव को बेहतर करेगा। मोटोरोला एज 70 फ्यूजन डिज़ाइन और फीचर्स के मामले में पिछले मॉडल्स से अलग और प्रीमियम अनुभव देने वाला स्मार्टफोन माना जा रहा है। फोन गेमिंग, मल्टीटास्किंग और लंबे समय तक बैटरी बैकअप के लिए तैयार है। यूजर्स को लीक से ही इस फोन के प्रीमियम लुक और दमदार परफॉर्मेंस का अंदाजा लग गया है।

# तीसरी तिमाही में मारुति सुजुकी का मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 3,879 करोड़ रुपये

**नई दिल्ली**। देश की सबसे सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर को समाप्त अक्टूबर-तिमाही में कंपनी का मुनाफा चार फीसदी बढ़कर 3,879 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ चार फीसदी बढ़कर 3,879 करोड़ रुपये रहा। वाहन विनिर्माता कंपनी को पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में 3,727 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। कंपनी ने बताया कि नई श्रम संहिता के कारण 594 करोड़ रुपये के एकमुश्त प्रावधान से लाभ प्रभावित हुआ। मारुति सुजुकी इंडिया का चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में परिचालन आय बढ़कर 49,904 करोड़ रुपये हो गई, जो गत वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि में 38,764 करोड़ रुपये रही थी।

# इश्कां दे लेखे मेरे लिए एक सपना है, जिसे मैंने हर दिन जिया है: ईशा मालवीय

अभिनेत्री ईशा मालवीय अब अपने करियर का एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय शुरू करने जा रही हैं। लंबे समय तक अभिनय में मेहनत और तैयारी के बाद, वह अब बड़े पर्दे पर कदम रख रही हैं और अपनी पहली पंजाबी फिल्म इश्कां दे लेखे के जरिए दर्शकों से रूबरू होंगी। उनके लिए यह फिल्म केवल डेब्यू नहीं है, बल्कि उनका एक ऐसा सपना है जिसे उन्होंने हर दिन जिया है। ईशा ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए शब्दों से ज्यादा मायने रखती है। कैमरे के सामने खड़े होना मेरे लिए भावुक भरा अनुभव रहा। यह फिल्म मेरे दिल के करीब है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को भी वही प्यार और ईमानदारी महसूस होगी जो हमने इस फिल्म को बनाते समय महसूस की थी। यह फिल्म एक डेब्यू से कहीं ज्यादा है; यह एक सपना है जिसे मैंने हर दिन जिया है!" इस फिल्म में पंजाबी सिनेमा के मशहूर अभिनेता गुरनाम भुल्लर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। वहीं इस फिल्म का निर्देशन मनवीर बरार कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी जस्सी लोहका ने लिखी है। इश्कां दे लेखे एक रोमांटिक प्रेम कहानी है, जो 6 मार्च को

सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ईशा की बात करें तो, उन्होंने 13 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू की थी। साथ ही कई ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा भी लिया था। साल 2021 में टेलीविजन शो उड़ारियां से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने जैस्मीन का किरदार निभाया था। इस शो में उनके साथ अभिनेता अंकित गुप्ता और प्रियंका चाहर चौधरी भी मुख्य भूमिकाओं में थे। इसके बाद ईशा को साल 2023 में सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो बिग बॉस के 17वें सीजन में देखा गया। अभिनेत्री पांव की जुत्ती, पांव की जुत्ती, और शेकी शेकी जैसे म्यूजिक वीडियो से लोकप्रियता हासिल कर चुकीं हैं। वह लवली लोला, पति पत्नी और पंगा, और लाफ्टर शेफ्स में नजर आईं।

# गोविंदा के लाडले यशवर्धन आहूजा को बॉलीवुड में लॉन्च करेंगे साजिद खान, नितांशी गोयल होंगी जोड़ीदार

बॉलीवुड के चीची यानी गोविंदा के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। खास बात ये है कि उन्हें निर्देशक साजिद खान अपनी अगली फिल्म के जरिए बॉलीवुड में लॉन्च करने जा रहे हैं। साजिद की इस हॉरर थ्रिलर फिल्म का नाम हंड्रेड बताया जा रहा है, जिसकी शूटिंग मुंबई की फिल्म सिटी में शुरू हो चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म में यशवर्धन के साथ लापता लेडीज से अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकीं प्रतिभाशाली अभिनेत्री नितांशी गोयल मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। 23 जनवरी को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर फिल्म का मुहूर्त किया गया। अपनी ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फिल्मों के लिए मशहूर साजिद इस बार एक हॉरर कहानी के साथ दर्शकों को डराने और यशवर्धन के रूप में इंडस्ट्री को एक नया हीरो देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म हंड्रेड को बॉलीवुड के दिग्गजों का साथ मिल रहा है। इसे एकता कपूर और शोभा कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स और मशहूर निर्माता अमर बुटाला मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। अमर बुटाला इंडस्ट्री का एक प्रतिष्ठित नाम हैं, जिन्होंने इससे पहले साल 2023 में सिद्धार्थ मल्होत्रा की मिशन मजनू बनाई थी। इसके अलावा वो बजरंगी भाईजान, केसरी, मिशन मंगल, टोटल धमाल और ट्यूबलाइट जैसी बड़ी फिल्मों के सह-निर्माता भी रह चुके

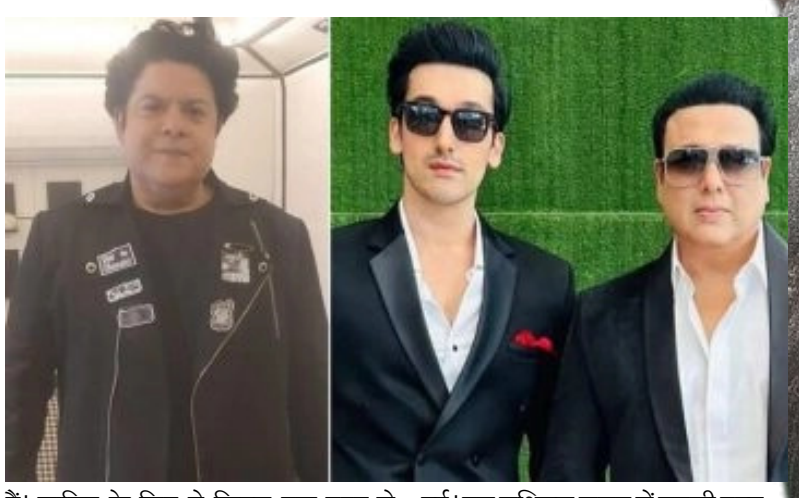

हैं। साजिद के लिए ये फिल्म एक तरह से घर वापसी की तरह है। भले ही साजिद को हाउसफुल जैसी कॉमेडी फिल्मों के लिए जाना जाता है, लेकिन उनके निर्देशन सफर की शुरुआत वास्तव में हॉरर से ही हुई थी। शायद आप इस बात से वाकिफ न हों कि उन्होंने साल 2006 में आई हॉरर फिल्म डरना जरूरी है की एक लघु कहानी का निर्देशन किया था। अब करीब 2 दशक बाद वो फिर उसी जॉनर में वापसी कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले साजिद खान अपनी सेहत को लेकर चर्चा में थे। दिसंबर 2025 में एक फिल्म सेट पर काम के दौरान साजिद के पैर में गंभीर चोट लग गई थी। अगले ही दिन उनकी सफल सर्जरी हुई। इस मुश्किल समय में उनकी बहन और मशहूर कोरियोग्राफर-डायरेक्टर फराह खान ने प्रशंसकों को बताया था कि सर्जरी सफल रही है और साजिद अब ठीक हो रहे हैं। बता दें कि यशवर्धन का बॉलीवुड डेब्यू तेलुगू फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक से होना था, लेकिन ये प्रोजेक्ट फिलहाल रुक गया है। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले बाबिल खान ने निर्देशक साई राजेश से विवाद और निजी कारणों के चलते प्रोजेक्ट छोड़ दिया, जिसके बाद निर्माता-निर्देशक ने फिल्म का काम रोक दिया और यशवर्धन का डेब्यू अटक गया। अब आखिरकार साजिद की नई फिल्म हंड्रेड के साथ बतौर हीरो यशवर्धन के करियर की नई शुरुआत हो रही है।

# बॉक्स ऑफिस पर बॉर्डर 2 ने पार किया 70 करोड़ आंकड़ा, टाइगर जिंदा है को दी पटखनी

सनी देओल की नई फिल्म बॉर्डर 2 23 जनवरी 2026 को रिलीज हुई. अनुराग सिंह की निर्देशित, यह फिल्म भारत की सशस्त्र सेनाओं के असली ऑपरेशन्स पर आधारित है. यह फिल्म जबरदस्त फ्रंटलाइन एक्शन और जवानों के बलिदान को दिखाती है. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार ओपनिंग की. वहीं, शनिवार यानी रिलीज के दूसरे दिन इसके कलेक्शन में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई. ओपनिंग डे के बाद दूसरे दिन भी बॉर्डर 2, सुल्तान को चारों खाने चित कर दिया. बॉर्डर 2 में सनी देओल लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर के रूप में नजर आए हैं, जो सैनिकों का नेतृत्व करते हैं. उनका अभिनय पिछली फिल्म की याद दिलाता है. दिलजीत दोसांझ ने फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों का किरदार निभाया है, जबकि अहान शेट्टी ने नेवी ऑफिसर लेफ्टिनेंट कमांडर जोसेफ नोरोन्हा का किरदार निभाया है. इनकी मौजूदगी एयर फोर्स और नेवी को जमीनी लड़ाई से जोड़ती है. वरुण धवन ने मेजर होशियार सिंह दहिया का किरदार निभाया है, जो एक बड़े युद्ध वाले रोल में नजर आए हैं. दिलचस्प बात यह है कि बॉर्डर 2 को अच्छे रिव्यू मिले हैं और यह बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है. बॉर्डर के सीक्वल ने पहले ही दिन शानदार कमाई की. मेकर्स के अनुसार, बॉर्डर 2 ने पहले दिन 32.10 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया. ये आंकड़े पिछले साल रिलीज हुई विक्की कौशल की फिल्म छावा (31 करोड़ रुपये) और रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर (28 करोड़ रुपये) जैसी फिल्मों को पार कर गई. इसी के साथ बॉर्डर 2 इस साल की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्मों में से एक बन गई है. शनिवार को फिल्म की कमाई में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली. मेकर्स द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के अनुसार, बॉर्डर 2 ने दूसरे दिन लगभग 40.59 करोड़ रुपये कमाए है. इसके साथ, घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बॉर्डर 2 का कुल कलेक्शन 72.69 करोड़ रुपये हो गया है. यह बढ़ता हुआ ट्रेंड बताता है कि फिल्म को छुट्टियों के मौसम और पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ का फायदा मिला है, खासकर फैमिली ऑडियंस और वॉर ड्रामा के फैंस के बीच. उम्मीद है कि यह फिल्म वीकेंड पर 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी. ओपनिंग डे के बाद बॉर्डर 2 दूसरे दिन भी धुरंधर को पछाड़ दिया. इसके अलावा इसने सलमान खान ब्लॉकबस्टर फिल्म सुल्तान को भी पीछे छोड़ दिया है. धुरंधर ने रिलीज के दूसरे 32 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया था, जबकि टाइगर जिंदा है ने पहले शनिवार को 35.3 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था. अनुराग सिंह की निर्देशित, बॉर्डर 2 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है. यह फिल्म युद्ध के दौरान भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के मिले-जुले प्रयासों पर केंद्रित है. कलाकारों की पूरी टीम की कहानी में जान डालने और इमोशनल पल लाने के लिए तारीफ की गई है.

# किंग की रिलीज डेट आउट, क्रिसमस 2026 पर एक्शन के साथ दहाड़ेंगे शाहरुख खान

शाहरुख खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म किंग की रिलीज डेट का इंतजार खत्म हो गया है. शाहरुख खान के बर्थडे पर फिल्म का टीजर रिलीज हुआ थी और इसके बाद से फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार किया जा रहा था . शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर आकर फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार खत्म कर दिया है. शाहरुख ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर एक धांसू टीजर भी जारी किया है. फिल्म किंग साल 2026 में रिलीज होगी. शाहरुख खान ने फिल्म किंग की रिलीज डेट का एलान किया है. शाहरुख ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म किंग का एक एक्शन टीजर जारी किया है और जिसमें वह बर्फीली पहाड़ी में दिख रहे हैं. इसी के साथ शाहरुख का चेहरा खून से लथपथ हो रहा है और वह विलेन को पंच मारते दिख रहे हैं. फिल्म की रिलीज डेट की बात करें को किंग 24 दिसंबर 2026 में रिलीज होगी. यानी इस क्रिसमस पर फिल्म किंग बहुत बड़ा धमाका करने जा रही है. इस पोस्ट को शेयर कर शाहरुख खान ने लिखा है, किंग 24.12.2026 को दहाड़ने के लिए तैयार

है. अब शाहरुख के फैंस के बीच किंग रिलीज डेट से हल्ला मचने वाला है. रिपोर्ट्स की मानें तो, इस फिल्म से शाहरुख की बेटी सुहाना खान भी बड़े पर्दे पर डेब्यू करेंगी. वहीं, शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण एक बार फिर रोमांस करते दिखेंगे. इनके अलावा फिल्म में अभय वर्मा, अरशद वारसी, अभिषेक बच्चन, जयदीप अहलावत और राघव जुयाल समेत कई बेहतरीन कलाकार हैं. अफवाहें यह भी हैं कि रानी मुखर्जी, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, सौरभ शुक्ला, अक्षय ओबेरॉय और करणवीर मल्होत्रा फिल्म का हिस्सा होंगे.

# दुलकर सलमान की अपकमिंग फिल्म आई एम गेम का फर्स्ट लुक आउट, अभिनेता का इंटेंस लुक देख गदगद हुए लोग

स्टार एक्टर दुलकर सलमान अपनी धांसू एक्टिंग से लिए जाने जाते हैं। उन्होंने एक से एक फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेरा है। दुलकर सलमान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म आई एम गेम की वजह से चर्चा में है। इस फिल्म को देखने के लिए लोग काफी बेताब है। इस बीच फिल्म का फर्स्ट लुक आउट हो गया है, जो कि इंटरनेट वर्ल्ड में धड़ल्ले से वायरल हो रहा है। दुलकर सलमान का लुक देखकर फैंस सातवें आसमान पर चले गए है। स्टार एक्टर दुलकर सलमान की मलयालम फिल्म आई एम गेम का फर्स्ट लुक आ गया है। मेकर्स ने पोस्टर रिलीज किया, जिसमें दुलकर सूट-बूट में गन थामे मिशन पर निकलते दिख रहे हैं।दुलकर ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा- होमकमिंग फिल्म किंग ऑफ कोठा के बाद ये उनकी मलयालम में बड़ी वापसी है। इस फिल्म को नहास हिदायत डायरेक्ट कर रहे हैं। उन्होंने फिल्म के बारे में कहा, मैं खुद थिएटर में दुलकर को देखने का इंतजार कर रहा हूं। हम वही देना चाहते हैं जो ऑडियंस को चाहिए। भरपूर एक्शन और

इंटेंस सीन हैं, शूटिंग जोरों पर है। जानकारी के लिए बता दें कि दलकर सलमान खान खुद वेफेरर फिल्म्स के बैनर तले जोम वर्गीस के साथ फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। सभी लोग दुलकर सलमान की फिल्म को देखने के लिए बेताब हैं। बताते चलें कि दुलकर सलमान के इंस्टाग्राम पर लाखों फॉलोअर्स हैं और वे सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव हैं। उनके फैंस उनके इंस्टाग्राम पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते हैं। दुलकर सलमान की एक झलक पाने के लिए लोग बेताब रहते हैं।

# 'भाबीजी घर पर हैं फिल्म का ट्रेलर रिलीज, दो भोजपुरी स्टार्स की हुई एंट्री; कॉमेडी के साथ लगेगा हॉरर का तड़का

पिछले लगभग एक दशक से टीवी का लोकप्रिय शो 'भाबीजी घर पर हैं अब एक फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रहा है। पिछले साल निर्माताओं ने इस लोकप्रिय सिटकॉम पर आधारित एक फीचर फिल्म की घोषणा करके प्रशंसकों को चौंका दिया था। अब इंतजार खत्म हुआ और निर्माताओं ने आज फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है। इसमें रवि किशन और मुकेश तिवारी की नई एंट्री हुई है, जबकि दिनेश लाल यादव निरहुआ की भी झलक दिखती है। ट्रेलर की शुरुआत ही होती है फेमस डायलॉग 'भाबीजी घर पर हैं से। ट्रेलर की शुरुआत में ही नजर आते हैं विभूति नारायण (आसिफ शेख) और मनमोहन तिवारी (रोहिताश गौर) के साथ। इसके बाद शुरू में ही ट्रेलर में रवि किशन और शुभांगी आत्रे की भी झलक दिखती है। इसके बाद सीरियल की तरह यहां भी ये दोनों किरदार हमेशा की तरह मजेदार बहाने बनाते हुए एक-दूसरे की पत्नियों के करीब रहने के तरीके खोजते नजर आते हैं। विभूति अपने खास मजाकिया अंदाज में अंगूरी तिवारी के पास दूध मांगने जाता है, जबकि मनमोहन तिवारी अन्नू मिश्रा (विदिशा श्रीवास्तव) से कुछ चीनी उधार लेने के लिए जाते हैं। विभूति कहते हैं, 'दूधवाले के पास दूध खत्म हो गया था, तो मैंने सोचा कि क्या भाभी जी मुझे थोड़ा दूध दे सकती हैं। कुछ देर बाद मनमोहन तिवारी को यह कहते हुए सुना जाता है, 'घर में चीनी खत्म हो गई है, तो मैंने सोचा कि क्या मैं भाभी जी से थोड़ी उधार ले सकता हूं। इसके बाद ट्रेलर में एंट्री होती है रवि किशन और मुकेश तिवारी की। दोनों फिल्म में गुंडे बने हुए हैं। प्यार को तलाश रहे ये दोनों अंगूरी और अन्नू के प्यार में पड़ जाते हैं। इसके बाद शुरू होता है असली हंगामा। ट्रेलर में एक सीन में ये दोनों गुंडे विभूति और मनमोहन तिवारी को बंदूक की नोक पर धमकाते हैं और उनकी बीवियों को जबरन शादी के लिए मजबूर करते हैं। इस फिल्म को हॉरर-कॉमेडी बनाने का प्रयास किया गया है। ट्रेलर में दिखता है कि अंगूरी भाभी पर अचानक भूत आ जाता है। इसके साथ ही ट्रेलर खत्म होता है। ट्रेलर में सीरियल के कई लोकप्रिय किरदार भी नजर आते हैं। जिनमें सानंद वर्मा सक्सेना के रूप में, योगेश त्रिपाठी दारोगा हप्पू सिंह के रूप में और सोमा राठौड़ रामकली तिवारी के रूप में शामिल हैं। शशांक बाली द्वारा निर्देशित इस फिल्म को शशांक ने रघुवीर शेखावत और संजय कोहली के साथ मिलकर लिखा है। यह फिल्म 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। देखना ये है कि टीवी पर लोकप्रिय होने के बाद पर्दे पर 'भाबीजी घर पर हैं क्या कमाल दिखा पाती है।

# द 50 : प्रिंस नरूला के बाद अब युविका चौधरी को मिला लायन का टिकट

रियलिटी शो द 50 जल्द ही दर्शकों के बीच दस्तक देने वाला है। यह शो इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें 50 सेलेब्स नजर आएंगे। कुछ के नामों की घोषणा हो गई है, तो कुछ का अभी पता लगना बाकी है। शो में कई बड़े नाम कंफर्म हो चुके हैं, जिनमें करण पटेल, दिव्या अग्रवाल, प्रिंस नरुला, फैसल शेख (मिस्टर फैसू), दिव्या अग्रवाल, अर्चना गौतम, मोनालिसा और उनके पति विक्रांत सिंह राजपूत और प्रतीक सहजपाल, ऋद्धि डोगरा और उर्वशी ढोलकिया, चाहत पांडे और नीलम गिरी समेत कई कंटेस्टेंट के नाम शामिल हैं। इस लिस्ट में अब अभिनेत्री युविका चौधरी का नाम जुड़ गया है। युविका, जो अभिनेता प्रिंस नरुला की पत्नी हैं, उन्होंने खुद शुक्रवार को इंस्टाग्राम के जरिए जानकारी दी कि उन्हें भी लायन का टिकट मिल गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वे काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। वीडियो में युविका कहती हैं, इसी का तो मुझे बेसब्री से इंतजार था। 7 साल हो गए मुझे एक रियलिटी

शो किए। मैं इंतजार कर रही थी एक ऐसे बेहतर शो का जो मेरी काबिलियत से मैच करे, जो मुझे हर पल चैलेंज करे। अब आखिरकार वो मौका मिल गया। मैं आ रही हूं आप सबको चैलेंज करने और ये दिखाने के लिए कि युविका चौधरी किसी से कम नहीं है। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, एक नई शुरुआत। द 50 के लिए बहुत उत्साहित हूं। खबर सुनने के बाद प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। शो में प्रिंस नरुला भी नजर आएंगे, और युविका के जाने से शो में पावर कपल का जलवा एक बार फिर देखने को मिलेगा। दोनों साथ में शो में एंट्री कर रहे हैं। यह शो 1 फरवरी से जियो हॉटस्टार और कलर्स टीवी पर प्रसारित होगा। यह शो दर्शकों और कंटेस्टेंट को एक नया और अलग अनुभव देने वाला है। अब देखना होगा कि यह शो दर्शकों को कैसा लगेगा।

# EUreka! India seals landmark trade deal

**New Delhi, Agency:** India and the European Union on Tuesday agreed to significantly deepen their strategic partnership, concluding the negotiations on the long-awaited Free Trade Agreement and signing the first-ever overarching Security and Defence Partnership pact at the 16th India-EU Summit in New Delhi.

The summit capped a high-profile state visit by European Council President Antonio Costa and European Commission President Ursula von der Leyen, who were chief guests at India's 77th Republic Day celebrations - the first time EU leaders have been accorded the honour. They were accompanied by a senior delegation, including EU foreign policy chief Kaja Kallas and Trade Commissioner Maros Sefcovic.

Prime Minister Narendra Modi, co-chairing the summit with Costa and von der Leyen, said the outcomes reflected the "maturity and ambition" of the India-EU ties, rooted in shared democratic values and a common commitment to a rules-based international order.

"....India has concluded the largest FTA in its history. It is a happy coincidence that on the 27th day of the month, India is entering into this FTA with the 27-member states of the European Union," Modi said during a joint press conference. He said this historic agreement would facilitate easier access for our farmers and small enterprises to European markets, create new opportunities in manufacturing, and further strengthen cooperation across our services sectors. The centrepiece of the summit was the successful conclusion of negotiations on the India-EU FTA, described by both sides as a historic milestone. The deal is expected to boost bilateral trade and investment, strengthen diversified supply chains and support sustainable and inclusive growth at a time of global economic uncertainty.

Alongside the FTA, the two sides signed an India-EU Security and Defence Partnership pact, their first comprehensive framework covering cooperation in maritime security, defence industry and technology, cyber and hybrid threats, space and counter-terrorism. Negotiations were also launched on the Security of Information Agreement to facilitate the exchange of classified information.

# Chandigarh issues advisory after hoax bomb threats, urges schools to stay calm

**Chandigarh, Agency:** Following a series of hoax bomb threats that led to the evacuation of several schools, the Chandigarh Administration on Wednesday issued an advisory urging educational institutions to remain calm and avoid creating unnecessary panic.

The administration directed all schools to immediately inform the police upon receiving any threatening email, message, or call, so that action can be taken in accordance with established safety protocols. It cautioned schools against announcing holidays or shutting down operations without verified information, stating that such decisions could lead to avoidable anxiety among students, parents, and the general public.

Emphasising the need for vigilance, the advisory asked school authorities to continue regular academic activities while remaining alert to any suspicious communication.

# Nipah under control in Bengal, says Centre as Thailand, Nepal step up screening

**NEW DELHI,Agency:** The Union health ministry on Tuesday clarified that the Nipah virus situation in West Bengal is under control, with only two confirmed cases reported since December last year, even as Thailand and Nepal tightened health screening of passengers arriving from India as a precautionary measure.The Ministry of Health and Family Welfare said reports from the National Centre for Disease Control (NCDC) show no additional Nipah Virus Disease cases beyond the two confirmed infections.

Despite the limited case count, neighbouring countries have moved to heighten vigilance. Thailand has begun screening passengers at three international airports receiving flights from West Bengal, while Nepal has initiated checks at Kathmandu airport and major land border points with India.

Nipah virus is a rare but highly fatal zoonotic infection that spreads from animals to humans and through close human contact. Naturally harboured by fruit bats (flying foxes), the virus can cause symptoms ranging from fever and respiratory illness to acute encephalitis, with a case fatality rate of 40-75%. There is no specific antiviral treatment or licensed vaccine, making early detection and strict infection control critical. The World Health Organization classifies Nipah as a priority pathogen due to its epidemic potential.

# A century in uniform: Chandigarh girl carries 4 generations of Army service to Kartavya Path

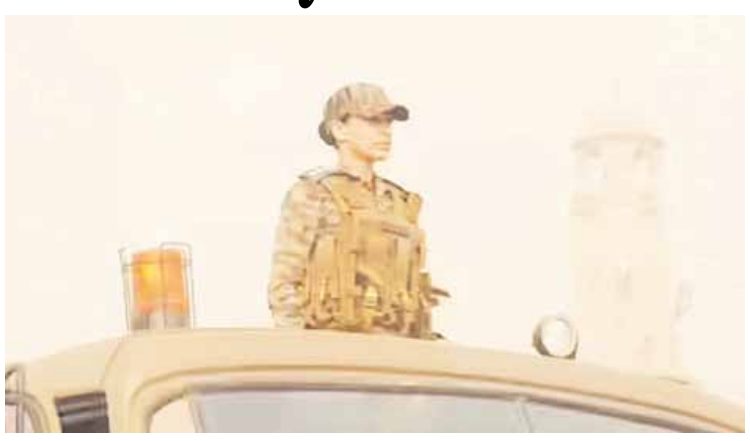

**CHANDIGARH,Agency:** A fourth-generation Army officer from Chandigarh, carrying a family legacy that stretches from the cavalry of the British Indian Army to post-Independence gallantry and modern-day integrated warfare, was among the commanding faces of this year's Republic Day parade. Captain Samira Zeenat Buttar, from Chandigarh's Sector 36 led the Integrated Operational Centre tableau themed on Operation Sindoor on Kartavya Path, a role that brought together her recent commissioning, a rare multi-decorated military lineage, and a contemporary operational showcase at the national ceremony.

Commissioned into the Indian Army in 2021, Captain Buttar represents a rare continuity of service across four generations. Her great-grandfather served with the 4th Hodson's Horse in the British Indian Army. Her grandfather, Brigadier Sampuran Singh, then a Lieutenant Colonel, earned the uncommon distinction of being awarded both the Mahavir Chakra and the Vir Chakra for his role in the 1965 Indo-Pak war. He later raised the 19 Punjab Regiment and remained in service until he passed away in 1971 due to battle casualties sustained during the 1965 conflict.

The lineage continued with her father, Sarbjeet Singh, an officer of the 18 Mechanised Infantry. Captain Buttar is the only child in the family and the fourth successive generation to wear the uniform.

She credits her early grounding in discipline to her schooling. "As a boarding school student, I knew no other way of life than discipline," Captain Buttar said. "Routine, structure and accountability were part of everyday life, and that shaped how I approached responsibility."

At the Republic Day parade, Captain Buttar led the Integrated Operational Centre tableau, which depicted coordinated planning and operational control.

# Why 2026 could be India's private space take-off year

**BENGALURU,Agency:** India was to ring in its 2026 space calendar with a launch that quietly captured the direction the sector is now taking. The PSLV-C62, carrying a clear private sector imprint, however, failed on Jan 12. Notwithstanding that setback, 2026 is still shaping up as the year when India's private sector can show results in orbit.

Just eight days after the PSLV mission, the country's first Earth Observation Satellite System (EOSS) under PPP saw a key milestone with the signing of a concession agreement that allows the winning consortium to finally begin work on ground, four months after it won the project from the Indian National Space Promotion and Authorisation Centre (IN-SPACe)

The agreement was between IN-SPACe and Allied Orbits - the special purpose vehicle (SPV) created by the consortium of Pixxel Space, Piersight Space, Satsure Analytics India, and Dhruva Space - at the former's office in Bengaluru.

TOI reported earlier in Aug 2025 that the Pixxel-led consortium had won the project through a "zero-bid". While the concession agreement was to be signed within three months, delay in processes saw it signed on Jan 20.

The project will create a constellation of 12 satellites, data from which will be used for applications ranging from climate change monitoring and disaster response to agriculture, infrastructure planning, maritime operations, and national security, where there are huge gaps so far as having eyes in the sky is concerned.

The consortium will implement the project through Allied Orbits. "As part of the project, PierSight will build synthetic aperture radar (SAR) satellites, Pixxel will build hyperspectral & high resolution optical satellite, Satsure will make multispectral satellites and Dhruva will develop ground stations," Gaurav Seth, Piersight CEO and co-founder told TOI.

Pixxel CEO Awais Ahmed told TOI that their firm was "implementing 60% of the project and investing the same amount to boot."

"Of the 12 satellites, seven will come from Pixxel, three from SatSure and two from PierSight," Awais said, adding that Pixxel will build two types of satellites: Five of them will be ultra high-res submeter satellite and two will be hyperspectral satellites.

Over the next four to five years, the consortium is expected to invest more than Rs 1,200 crore to create the 12-satellite constellation in low-Earth orbit. The project is designed to enhance India's data sovereignty and reduce dependence on foreign imagery.

# Wet spell in north-west India to continue till Feb 2

**NEW DELHI,Agency**: An active western disturbance is prevailing over the region and a fresh western disturbance is expected from the night of January 30, which are likely to bring in light to moderate rainfall and snowfall at many places likely over the Western Himalayan region and the adjoining plains of north-west India till February 2.

Fairly widespread rain is expected at many places in Haryana and Punjab on January 28 and February 1, while on other days, only a few places in these states may receive rain, according to the India Meteorological Department. Moderates rains were experienced at many places on January 27. Over the past 24 hours, light to moderate rain was experienced at some places in Punjab. These included Gurdaspur, Amritsar, Tarn Taran and Kapurthala districts to the north and Barnala, Sangrur and Mansa districts in the south. In Haryana, only Jind and Mahendergarh districts received rain.

# Centre turns down Opposition's demand to restore MGNREGA

**NEW DELHI,Agency**: The government on Tuesday rejected the Opposition's demands for the restoration of the Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA) and discussion on the ongoing special intensive revision (SIR) of electoral rolls during the Budget session of Parliament.

At an all-party meeting held ahead of the session, Opposition parties demanded structured discussions on a range of issues, including the restoration of the UPA-era MGNREGA, the SIR and the alleged vote theft.

The government, however, refused to accede to the Opposition's demands, making it clear that the Viksit Bharat-Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin), which replaced MGNREGA, would not be rolled back, as it could not apply a "reverse gear" on a legislation cleared by Parliament.:

According to sources, the government indicated in the meeting that the Budget was the primary agenda of the upcoming session and members were free to raise other issues during the discussion on the motion of thanks on the President's address to both Houses of Parliament.

President Droupadi Murmu will address both the Houses of Parliament on Wednesday, the first day of the Budget session. On January 29, the economic survey will be released, while Parliament will not function on January 30. The Budget will be presented by Finance Minister Nirmala Sitharaman on February 1. On February 2 and 3, the discussion on the motion of thanks will take place, while the Budget will be discussed on February 4 and 5. The first half of the Budget session will be from January 28 to February 13, while the second phase will take place from March 9 to April 2. There will be 30 sittings during the session.

The all-party meeting, chaired by Defence Minister Rajnath Singh, was attended by several senior ministers, including Parliamentary Affairs Minister Kiren Rijiju, along with floor leaders of various political parties from both the Lok Sabha and the Rajya Sabha.

Later, speaking to the media, Rijiju said as per parliamentary rules, discussions during the Budget session should primarily revolve around the Budget.

"Many members raised several issues during the meeting. We have noted them. We have informed members that various issues can be raised during the debate on the motion of thanks to the President's address and also during the Budget discussions. Since this is a Budget session, the main focus will remain on the Budget," he said.